तापमान

अधिकतम 30.4 डिग्री

न्यूनतम 14.5 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि

रायपुर, सोमवार 9 फरवरी 2026

चलती कार में लगी आग दहशत में निकले सवार और बचाई जान

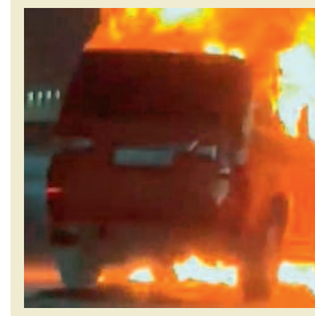

रायपुर। रविवार रात तेलीबांधा इलाके में चलती कार में आग लग गई। दहशत में कार में सवार लोगों ने आनन-फानन बाहर निकलकर जान बचाई। घटना की सूचना तेलीबांधा थाने और दमकल विभाग को दी गई। बीच सड़क पर अचानक कार में आग लगने से हड़कंप मच गया।

थाने से मिली जानकारी के अनुसार दमकल वाहन मौके पर पहुंचने से पहले आग ने कार को पूरी तरह से चपेट में ले लिया था। आवाजाही को प्रभावित होने से बचाने के लिए पुलिस अमले ने दमकल की मदद से आग को बुझाने के बाद ट्रैफिक दुरुस्त किया। इस तरह की घटना आए दिन शहर में देखने को ▸▸|शेष पेज 11 पर

शिक्षा में सुलगी आग ठंडी हुई ही थी कि आबकारी का दफ्तर धधक गया, कंप्यूटर-यूपीएस, प्रिंटर खाक

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

अलग खबर

जिला शिक्षा कार्यालय के बाद अब आबकारी के दफ्तर में आग भड़क उठी। यह इत्तफाक है या नहीं, पता नहीं, पर सच यह है कि आग दफ्तर के तीसरे माले के उस हिस्से में लगी, जहां रिकार्ड रखा जाता है। इस आगजनी में कुछ दस्तावेजों के जलने की सूचना थी, लेकिन अफसरों ने बयान जारी कर कहा है कि सभी दस्तावेज सुरक्षित हैं, कंप्यूटर, यूपीएस को ही नुकसान पहुंचा है।

खबर के मुताबिक आग छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के रिकार्ड रूम में लगी थी। आबकारी भवन में आग लगने के संबंध में फायर ब्रिगेड के कार्यालय में संपर्क करने पर जिम्मेदारों ने बताया कि उनके पास आबकारी भवन में ▸▸|शेष पेज 11 पर

विभाग का दावा-दस्तावेज सुरक्षित

ऑडिट की तैयारी में जुटे थे अफसर

ऐसा कहा जा रहा है कि आबकारी विभाग में सोमवार से ऑडिट का काम शुरू होना है, इसे लेकर आबकारी विभाग के हर स्तर के अधिकारी, कर्मचारी शनिवार देर रात तक काम करते रहे। इसी बीच अचानक देर रात आबकारी भवन के उस रूम में आग लग गई, रखा गया है,शेष अन्य जगह सुरक्षित है।

शराब घोटाले से लेकर वर्तमान की फाइल

सूत्रों के मुताबिक जिस रूम में आग लगी है, उस रूम में वर्ष 2018 से लेकर वर्ष 2023 के बीच हुए शराब घोटाले से संबंधित दस्तावेज रखे हुए थे। इसके साथ ही वर्तमान समय में शराब खरीदी-बिक्री करने का लेखा-जोखा भी था। आग से कितना नुकसान हुआ इस बात की अब तक किसी भी अधिकारी ने अधिकृत पुष्टि नहीं की है।

इधर, विभाग का दावा, दस्तावेज सुरक्षित

घटना को लेकर देर शाम सीएसएमसीएल ने बयान जारी कर आगजनी के संदर्भ में स्थिति स्पष्ट की। जारी बयान के मुताबिक शार्ट सर्किट से आग लगने के कारण कार्यालय मे रखे कंप्यूटर, प्रिंटर और यूपीएस जल गए, पर रूम में रखे दस्तावेजों को किसी तरह से कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। अफसरों के अनुसार आग लगने की घटना शनिवार रात साढ़े आठ बजे के करीब हुई है।

खबर संक्षेप

प्रिंसीपल को धमकाया शोएब पर अपराध दर्ज

रायपुर। तेलीबांधा थाना क्षेत्र के वीआईपी रोड में शुक्रवार को कार में स्क्रैच आने पर एक स्कूल के प्रिंसिपल को धमकाने के आरोप में पूर्व महापौर के भतीजे तथा शराब घोटाले के आरोप में जेल में बंद अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर के खिलाफ पुलिस ने अपराध दर्ज की है। आरबी मिश्रा की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज किया है। श्री मिश्रा ने पुलिस को बताया कि शोएब लापरवाही से कार चलाते हुए उसकी कार को स्क्रैच मार दिया। आपत्ति करने पर शोएब ने उनके साथ गाली-गलौज कर धमकी दी। श्री मिश्रा स्पेशल बच्चों के लिए स्कूल संचालित स्कूल के प्रिंसिपल हैं।

पुलिस का अभियान जारी तीन बदमाश दबोचे गए

रायपुर। सार्वजनिक स्थानों पर अपराध, लूट, भय एवं उपद्रव की घटनाओं की रोकथाम करने डीसीपी सेंट्रल जोन रायपुर के निर्देश पर पुलिस विशेष अभियान चला रही है। अभियान के तहत शराब ठेके, रेलवे स्टेशन, अस्पताल परिसर, स्टेशन एरिया एवं अन्य भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थलों पर निरंतर आकस्मिक चेकिंग की जा रही है। जांच के दौरान पुलिस ने अरूण सोनकर, राजेश वर्मा, अरूण पटेल को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

20 किलो गांजा के साथ धरा गया अंतर्राज्यीय तस्कर

रायपुर। राजेंद्रनगर पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय तस्कर को 20 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। तस्कर ओडिशा के रास्ते गांजा तस्करी कर प्रयागराज ले जा रहा था। गांजा तस्करी करने के आरोप में पुलिस ने उत्तरप्रदेश के प्रयागराज निवासी हिमांशु केशरवानी को गिरफ्तार किया है। तस्करी में लिप्त दो तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। फरार तस्करों की पुलिस पतासाजी कर रही है। कार की तलाशी लेने पर पुलिस को कार से गांजा मिला।

कोचिया गिरफ्तार, 30 पौवा देशी शराब बरामद

रायपुर। तेलीबांधा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक शराब कोचिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 30 पौवा देशी शराब जब्त की है। पुलिस ने शराब तस्करी करने के आरोप में लभांडी निवासी राजा तांडी को गिरफ्तार किया है। राजा सिंधी मुक्तिधाम के पास थैली में रखकर शराब बेचने ग्राहक तलाश रहा था।

गुरु तेगबहादुर उद्यान से तेलीबांधा तक बनेगा फ्लाईओवर

शहर के बीच बनेगा डेढ़ किमी लंबा फ्लाईओवर कंपनी तय की जा रही, खर्च होंगे 173 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राज्य सरकार की महत्वकांक्षी परियोजना गुरु तेबहादुर उद्यान से लेकर तेलीबांधा तक फ्लाईओवर का निर्माण कार्य अप्रैल-मई से शुरू हो सकता है। 173 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला प्रस्तावित फ्लाईओवर के लिए टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। पीडब्ल्यूडी के अफसरों के अनुसार टेंडर प्रक्रिया पूरी करने के बाद जिस कंपनी को ठेका देने चयनित किया जा रहा है, उसके दस्तावेजों का सत्यापन जारी है। दस्तावेजों के सत्यापन के बाद कंपनी को वर्कआर्डर जारी किया जाएगा। प्रक्रिया पूरी करने में डेढ़ से दो माह का समय लग सकता है। इसके बाद फ्लाईओवर निर्माण कार्य संबंधित कंपनी शुरू करेगी। टेंडर किस कंपनी को मिला है, इसका खुलासा विभागीय अधिकारियों ने अभी नहीं किया है। अधिकारी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही कंपनी के नाम का खुलासा करेंगे।

■ दस्तावेजों की जांच पूरी होने के बाद जारी करेंगे वर्कआर्डर

राजधानी के सबसे व्यस्त ट्रैफिक वाले जीई रोड पर यातायात का दबाव कम करने फ्लाईओवर निर्माण की मांग लंबे अरसे से की जा रही थी। बढ़ते ट्रैफिक दबाव तथा समय की मांग के अनुरूप उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरूण साव ने फ्लाईओवर निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान करते हुए राशि जारी की। फ्लाईओवर निर्माण पूरा होने के बाद जयस्तंभ और रेलवे स्टेशन तरफ से आने वाला ट्रैफिक रफ्तार से दौड़ेगा और नई राजधानी तथा एयरपोर्ट के बीच पड़ने वाले तीन बड़े चौराहे एसआरपी चौक, तेलीबांधा तालाब के पास केनाल रोड चौक और उससे आगे नेताजी सुभाषचंद्र चौक पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से लोगों को राहत मिलेगी।

आठ साल पुरानी योजना

पुराना पीएचक्यू के ठीक सामने गुरु तेगबहादुर उद्यान से तेलीबांधा स्थित नेताजी सुभाष चौक तक फ्लाईओवर निर्माण का प्लान आठ साल पहले रमन सरकार के समय बना था। इसका सर्वे कराने के साथ डीपीआर भी तैयार कर लिया गया था। इस प्लान को लेकर पूर्ववर्ती भूपेश सरकार में भी विभागीय प्लान पर चर्चा हुई, लेकिन बजट की स्वीकृति नहीं मिलने के कारण फ्लाईओवर का प्लान आकार नहीं ले सका। अब जाकर फ्लाईओवर निर्माण की मंजूरी दी गई। करीब डेढ़ किमी लंबा फोरलेन फ्लाईओवर निर्माण होने से शहर का ट्रैफिक काफी स्मूथ होगा और नवा रायपुर तथा एयरपोर्ट तक आवागमन भी काफी सुविधाजनक होगा।

डेढ़ किमी. लंबा होगा फ्लाईओवर

फ्लाईओवर की कुल लंबाई डेढ़ किलोमीटर होगी। साथ ही फ्लाईओवर से आवाजाही करने वालों को किसी तरह से परेशानी न हो, इसे ध्यान में रखते हुए फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। फ्लाईओवर निर्माण पूरा होने के बाद ढाई लाख से ज्यादा आबादी को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी।

जिला अस्पताल से अलग होगा एमसीएच का सेटअप

पंडरी में गर्भवती महिलाओं को मिलेगी प्रसव सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

आने वाले दिनों में कालीबाड़ी में संचालित मातृ एवं शिशु चिकित्सालय का सेटअप जिला अस्पताल से अलग होगा। पृथक उपकरण, एचआर, चिकित्सकीय स्टाफ होने के बाद पंडरी अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव सुविधा प्रारंभ की जा सकेगी। वर्तमान में राजधानी में जिला स्वास्थ्य विभाग के पास एमसीएच हास्पिटल का अलग सेटअप नहीं है।

■ पृथक उपकरण, एचआर और चिकित्सकीय स्टाफ के लिए भेजा गया प्रस्ताव

जिला स्वास्थ्य कार्यालय से एमसीएच को जिला अस्पताल के सेटअप से अलग करने का प्रस्ताव बनाकर स्वास्थ्य संचालनालय भेजा गया है। इस पर आने वाले दिनों में स्वीकृति मिलने की संभावना है। जिला अस्पतालों मातृ एवं शिशु हास्पिटल का अलग ▸▸|शेष पेज 11 पर

प्रस्ताव भेजा गया

मातृ एवं शिशु चिकित्सालय के पृथक सेटअप के लिए कुछ समय पहले प्रस्ताव भेजा गया है। पृथक सेटअप होने से कामकाज में सुगमता आएगी। इस पर निर्णय संचालनालय स्तर पर होगा।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ, रायपुर

आंबेडकर के बाद यहां सर्वाधिक प्रसव

पंडरी में भवन निर्माण शुरू होने के दौरान जिला अस्पताल को कालीबाड़ी के पुलिस अस्पताल में शिफ्ट किया गया था। वर्ष 2018-19 में इसकी वापसी पुनः पंडरी में हुई और कालीबाड़ी के भवन का उपयोग मातृ एवं शिशु हास्पिटल के रूप में किया जाने लगा। जिले में आंबेडकर अस्पताल के बाद सर्वाधिक डिलीवरी यहीं होती है। एमसीएच में प्रतिदिन की ओपीडी पंडरी जिला अस्पताल की तरह ढाई से तीन तक पहुंचती है। जरूरतों के हिसाब से यहां सुविधाओं का विस्तार किया जाता रहा है।

जिले में दो अस्पताल और प्रस्तावित

रायपुर जिले में पंडरी में जिला अस्पताल, कालीबाड़ी में एमसीएच के अलावा माना में सिविल अस्पताल का संचालन किया जाता है। जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सरोना और नवा रायपुर के राखी गांव में सौ बिस्तर के अस्पताल को स्वीकृति मिल चुकी है। सरोना में तो निर्माण कार्य भी शुरू होने वाला है। राखी में स्वास्थ्य विभाग और एनआरडीए द्वारा जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी की जानी है। इसके अलावा विभिन्न ब्लाक में 50 बिस्तर तक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी संचालन किया जा रहा है।

पीएचडी आवेदन प्रारंभ

36 विषयों के लिए मांगी गई अर्जी, जिनमें शोध निदेशक नहीं, वे सूची से बाहर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि ने 2026 में पीएचडी पाठ्यक्रम दाखिले के लिए आवेदन प्रारंभ कर दिए हैं। पीएचडी प्रवेश-परीक्षा से छूट की पात्रता रखने वाले आवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन मांगे गए हैं। रविवि ने इसके लिए अंतिम तिथि 20 फरवरी निर्धारित की है। आवेदन 6 फरवरी से प्रारंभ हो चुके हैं। आवेदन-पत्र विषय से संबंधित विश्वविद्यालय अध्ययनशाला अथवा महाविद्यालय शोध केन्द्र में ऑफलाइन जमा किया जा सकता है। शोध केन्द्रों की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है। आवेदन-पत्र डाक के माध्यम से भी संबंधित शोध केन्द्रों को निर्धारित तिथि तक ही प्रेषित किया जा सकेगा। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन मान्य नहीं होंगे।

■ 6 से 20 फरवरी तक कर सकेंगे आवेदन

महाविद्यालयों में स्थित शोध केंद्रों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्राप्त आवेदनों को 25 फरवरी तक रविवि को प्रेषित करें। आवेदन-पत्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। कैंडिडेट्स यहां से इसे डाउनलोड कर सकेंगे। आवेदन-पत्र के साथ आवेदन शुल्क के रूप ▸▸|शेष पेज 11 पर

इन विषयों के लिए मांगे आवेदन

रविवि ने 36 विषयों में पीएचडी के लिए आवेदन मांगे हैं। इन विषयों में हिंदी, अंग्रेजी, भाषा-विज्ञान, संस्कृत, ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, समाजकार्य, लोकप्रशासन, इतिहास, प्राचीन भारतीय इतिहास, मनोविज्ञान, गृह-विज्ञान, भूगोल, भौतिकी, रसायन, भू-विज्ञान, गणित, सांख्यिकी, इलेक्ट्रानिक्स, कम्प्यूटरसाइंस, प्राणीशास्त्र, बायोसाइंस, माइक्रोबायोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री, बायोटेक्नोलॉजी, वनस्पतिशास्त्र, मानव-विज्ञान, शारीरिक शिक्षा, फार्मेसी, मैनेजमेंट, वाणिज्य, विधि, शिक्षा शास्त्र और क्षेत्रीय अध्ययन शामिल हैं।

मांगी गई थी सूची

रविवि ने सभी शोध केंद्रों से विस्तृत जानकारी मांगी थी। उनके उन विषयों की सूची भी मांगी गई थी, जिनके शोध निदेशक फिलहाल उपलब्ध नहीं हैंइन विषयों को आवेदन सूची से ही बाहर कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त निर्देश दिए गए हैं कि संबंधित डीआरसी द्वारा आवेदन पत्रों का यथाशीघ्र परीक्षण कर लिया जाए तथा पात्र आवेदकों को साक्षात्कार में सम्मिलित होने के लिए निर्देशित किया जाए। क्षेत्रीय समस्याओं के अंतर्गत अंतर्विषयी शोध कार्य के लिए मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, मैनेजमेंट, समाजशास्त्र, भूगोल, शिक्षाशास्त्र, हिन्दी आदि विषयों के छात्र, क्षेत्रीय अध्ययनशाला शोध केन्द्र में इस शर्त के साथ प्रवेश ले सकेंगे कि उनके विषय से संबंधित नियमित प्राध्यापक ही शोध निर्देशक हो सकते हैं तथा अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्ययन एवं अनुसंधानशाला शोध कार्य के लिए सह-निदेशक होंगे।

राजधानी समेत मध्य में पहले आएगी गर्मी

सरगुजा और बस्तर में ठंड का असर महीनेभर और

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

राजधानी रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव समेत मध्य हिस्से के जिलों में गर्मी जल्द ही अपना असर दिखाएगी। सरगुजा और बस्तर में ठंड की विदाई के लिए महीनेभर और इंतजार करना होगा। सरगुजा की उत्तरी सीमा से लगे होने और बस्तर का फॉरेस्ट एरिया होने की वजह से ठंड देर तक रहती है। पश्चिमी विक्षोभ के जाने के बाद रात के तापमान में थोड़ी गिरावट हो रही, मगर मध्य इलाके में दिन में ▸▸|शेष पेज 11 पर

■ विक्षोभ के जाने पर में थोड़ी गिरावट, पर दिन में बढ़ रहा तापमान

2 दिन बढ़ोतरी फिर हल्की कमी

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, अभी एक पश्चिमी विक्षोभ 55 डिग्री पूर्व और 21 डिग्री उत्तर में स्थित है। यह 9 फरवरी को उत्तर पश्चिम भारतीय क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। इसके असर से न्यूनतम तापमान में अगले दो दिनों में 2 से 4 डिग्री तक वृद्धि होने की संभावना है। उसके बाद हल्की गिरावट के साथ कोई विशेष परिवर्तन होने का अनुमान नहीं है।

पुलिस कमिश्नरेट का दफ्तर छोटा, नई जगह शिफ्ट करने कमिश्नर ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

जीई रोड स्थित पुराना आयुक्त कार्यालय में संचालित पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय काफी छोटा है। वर्तमान दफ्तर में पुलिस कमिश्नर के साथ एसीपी के बैठने की व्यवस्था है। क्लरिकल काम के लिए तय अनुपात से काफी छोटी जगह दी गई है। जगह की कमी को देखते हुए पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने कमिश्नरेट के लिए राज्य शासन को नई जगह आवंटित करने पत्र लिखा है।

गृहमंत्री विजय शर्मा नवा रायपुर में आवंटित बंगले में शिफ्ट हो गए हैं। सिविल लाइंस स्थित उनका पुराना बंगला सी-3 खाली हो चुका है। चर्चा है ▸▸|शेष पेज 11 पर

शासन को भेजा है पत्र

वर्तमान में पुलिस कमिश्नरेट के लिए आवंटित जगह काफी छोटी पड़ रही है। नई ऑफिस के लिए शासन को पत्र लिखा गया है। इसके लिए शासन स्तर पर निर्णय लिया जाएगा।

- डॉ. संजीव शुक्ला पुलिस कमिश्नर, रायपुर

अब तक ट्रैफिक डीसीपी, पश्चिम डीसीपी को नहीं मिला कार्यालय

राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली शुरू हुए एक पखवाड़े से ज्यादा समय बीत गया है। बावजूद इसके कई अफसरों को अब तक कार्यालय नहीं मिला है। इनमें रायपुर पश्चिम जोन के डीसीपी के साथ ट्रैफिक डीसीपी को अब तक कार्यालय आवंटित नहीं किया गया है। ट्रैफिक मुख्यालय में एडीसीपी तथा दो ट्रैफिक एसीपी के लिए ऑफिस है। अन्य अफसरों के लिए वहां बैठने की व्यवस्था नहीं है। ट्रैफिक मुख्यालय के ऊपर में एक कांफ्रेंस हॉल है।

भावनात्मक जुड़ाव के लिए स्कूलों में मनाया जाएगा दादा-दादी व नाना-नानी दिवस

स्कूल आएंगे दादा-दादी और नाना-नानी, ताकि खत्म हो जनरेशन गैप

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

खास खबर

यूएस-कनाडा की तर्ज पर भारत के स्कूलों में भी दादा-दादी व नाना-नानी दिवस मनाया जाएगा। सीबीएसई ने इसे लेकर गाइललाइंस तैयार की हैं। बोर्ड का मानना है कि जनरेशन गैप समाज में एक मसला है और इसे दूर करने के लिए अब स्कूलों में पहल जरूरी हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने भी इन दो पीढ़ियों की बॉन्डिंग को मजबूत करने के लिए 'ग्रैंडपेरेंट्स डे' जैसे दिन सेलिब्रेट करने को गाइडलाइंस बनाई हैं। सभी सीबीएसई स्कूलों में 'ग्रैंडपेरेंट्स डे' कई एक्टिविटीज के साथ सेलिब्रेट किया जाएगा, जहां हर स्टूडेंट अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ स्कूल आएंगे।

सीबीएसई के इस कदम के तहत सालभर कुछ एक्टिविटी इस कॉन्सेप्ट से जोड़ते हुए आयोजित की जाएगी। यूएस, कनाडा समेत कई देशों में भी 'ग्रैंडपेरेंट्स डे' को 'ग्रैंडफ्रेंड्स' से जोड़ते हुए बच्चों को उनके परिवार से जोड़ने की मुहिम के असरदार नतीजे मिल चुके हैं। यह सीनियर सिटिजन और बच्चों दोनों के अकेलेपन को दूर रहा है। इसके आधार पर अब यहां भी इस तरह के प्रयोग होंगे।

बोर्ड का मनाना, इससे छात्रों में बढ़ेगी व्यावहारिक समझ

विशेष दिनों पर होंगे आयोजन

दादा-दादी, नाना-नानी के साथ उनके नाती-पोतों का रिश्ता मजबूत करने के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजूकेशन (सीबीएसई) ने सभी स्कूलों को कई तरह की एक्टिविटीज रखने को कहा है। स्कूलों में ऐसे एक्टिविटी रखी जाएंगी जिससे अलग-अलग पीढ़ियों के बीच बॉन्डिंग बढ़े और जनरेशन गैप कम हो। स्कूलों को कहा गया है कि वो स्वतंत्रता दिवस, बाल दिवस, इंटरनेशनल सीनियर सिटिजंस डे जैसे मौकों पर खास आयोजन रखें और स्टूडेंट्स के दादा-दादी या नाना-नानी को आमंत्रित करें ताकि इन अलग-अलग पीढ़ियों के बीच का रिश्ता और मजबूत हो। बोर्ड का मानना है कि वरिष्ठ नागरिकों की भागीदारी से स्टूडेंट्स की व्यावहारिक समझ, भावनात्मक जुड़ाव, उनके लिए सम्मान और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

बॉन्डिंग मजबूत अकेलापन भी दूर

इससे सीनियर सिटिजंस में अकेलेपन और सामाजिक अलगाव की समस्या भी कम होगी। स्टूडेंट्स को यह भी कहा है कि वे इस तरह की और भी दिलचस्प एक्टिविटी प्लान कर सकते हैं, जिससे दोनों जनरेशन के बीच की नजदीकी बढ़े। सीबीएसई ने स्कूलों को कहा है कि इन इवेंट की पूर्व सूचना संबंधित विभाग अथवा मंत्रालय को भी दी जाए और रिकॉर्ड्स रखे जाएं। स्कूल को 'वॉकथॉन' जैसे इवेंट के आयोजन की भी सलाह दी है, जिनमें ग्रैंड पैरेंट्स अपने पोते-पोतियों व नाती-नातिनों के साथ मिलकर भाग लें।

खबर संक्षेप

कूंरा के छात्रों ने पीएम की परीक्षा पे चर्चा सुनी

कूंरा। श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुंरा की छात्रा को मिला प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी जी से मिलने का मौका । संस्था की प्राचार्य सुजाता बहल ने बताया कि यह शाला परिवार के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है कि कक्षा11वी कॉमर्स की छात्रा दीक्षा वर्मा पिता सालिकराम वर्मा को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री जी से रुबरु होने का अवसर मिला, यह प्रशारण कल दिनांक 9 फरवरी को प्रातः10 बजे दूरदर्शन एवम यूट्यूब पे देखा जा सकता है। उनसे मिलने के बाद दीक्षा ने बताया कि मोदी जी ने बहुत ही सहजता से उनसे बातें करते हुए बताता कि जीवन में अनुशासन एवम निरन्तरता से ही कामयाबी मिलती हैं, हमें सदैव अपनी संस्कृति से जुड़े रहना चाहिए एवम बौद्धिक विकास के लिए प्रतिदिन योग करना चाहिए। आधुनिकता के दौर में ए आई के अवसरों एवम कौशल विकास के महत्व को भी बताया। मोदी जी ने अपने हाथों से छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन खुरमी को दीक्षा के साथ साथ अन्य बच्चों को भी खिलाया और कहा कि हमे सदैव अपने संस्कृति के अनुरूप नमस्कार करते हुए सबका अभिवादन करना चाहिए चाहे वो युवा पीढ़ी हो, बच्चे अथवा व्यस्क सबको यह ध्यान रखना है।

वार्षिकोत्सव में लोक- नृत्यों की छात्रों ने दी रोचक प्रस्तुति

सिलयारी। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला सिलयारी में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया सर्वप्रथम जनपद सदस्य श्री विजय साहू द्वारा मां सरस्वती की दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया एवं अतिथि स्वागत के पश्चात छोटे-छोटे बच्चों द्वारा छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोक नृत्य की झलकियां दर्शकों को मंत्र मुक्त कर दिया एवं साथ में देशभक्ति गीत एवं नृत्य के साथ धार्मिक गीतों पर भी बच्चों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई जिसे दर्शकों द्वारा खूब सारा गया इन सभी कार्यक्रमों में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला एवं प्राथमिक शाला के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा और अंत में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिलयारी के प्रधान पाठक श्री शिवदत्त कौशिक द्वारा आभार प्रदर्शन कर सभी का हार्दिक अभिनंदन स्वागत से किया एवं बच्चों को उनके पढ़ाई लिखाई के भीड़कर पढ़ने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित किया।

होटल-ढाबा पर कार्रवाई की मांग, भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

कूंरा। धरसींवा भाजपा मंडल के पदाधिकारियों ने हाइवे में स्थित सभी ढाबा होटलो की शिकायत एवं कार्यवाही हेतु रविवार को ज्ञापन थाना प्राभारी राजेंद्र दिवान को सौपे है जिसमे उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन से जो अव्यवस्था आज तक फैली है वह बन्द हो हाइवे स्थित होटलो ढाबा में रात भर खुले रहने के नियम नही फिर भी रात 11 बजे तो दूर पूरी रात खुला रहता है अधिकतर होटलो में लड़की महिलाओं द्वारा रात में भी कार्य वेटर के रूप में काम लेते हैं कानून एवं श्रम नियमो के विरुद्ध है साथ ही महिला सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी सही नही है, चुकी यह क्षेत्र उधोगों से घिरे रहने के कारण सतर्कता और जरूरी है ,कुछ ढाबो में रात भर शराब खोरी और कुछ अपराधीक भूमिका वाले सन्दिग्ध लोगों का जमावड़ा लगा रहता है क्षेत्र में।किसी प्रकार का अनहोनी न हो और अपराधियों पर लगाम लगाने का कार्य किया जाए जब ग्रामीण सड़क पर रात 10 बजे सभी दुकाने बन्द ही जाते है तो हाइवे के होटल ढाबे में पर नियम लागू हो मण्डल अध्यक्ष राकेश यादव और जिला पदाधिकारी अरविंद ठाकुर के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों सहित आवेदन दिया गया एवं जल्द से जल्द कार्यवाही की मांग किया गया।

पुरुषोत्तम धीवर कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मनोनीत

आरंग। कांग्रेस संगठन को सशक्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पुरुषोत्तम धीवर को मंदिरहसौद कांग्रेस मंडल अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन वरिष्ठ कांग्रेस नेता शिवकुमार डहरिया, पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं रायपुर जिला अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे की अनुशंसा एवं मार्गदर्शन में किया गया। नव-नियुक्त मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम धीवर ने पदभार ग्रहण के अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि वरिष्ठ नेताओं, विशेषकर डहरिया के मार्गदर्शन और विश्वास से उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने कहा कि वे डहरिया द्वारा स्थापित संगठनात्मक मूल्यों और कांग्रेस की विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कार्यकर्ताओं को साथ लेकर आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाया जाएगा तथा पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। रूपेंद्र धीवर (प्रदेश उपाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ), पवन कुमार धीवर (कोषाध्यक्ष महासभा), सहदेव राम धीवर (अध्यक्ष कोटनी परगना), सुरेश कुमार धीवर (कोषाध्यक्ष), विमल कुमार धीवर (सचिव), बसंत धीवर (संरक्षक), रेखराम पात्रे, गोपाल चतुर्वेदी (नगर पंचायत अध्यक्ष), विनोद कुमार पटेल ने बधाई दी।

जस झांकी स्पर्धा में लोक कलाकारों की भक्तिमय प्रस्तुति में संस्कृति की भी मिली झलक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

धरसीवां जनपद पंचायत के ग्राम मांढर में जय महामाया जस झांकी समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय भव्य जस झांकी प्रतियोगिता का रविवार को देर रात श्रद्धा उत्साह लोकसंस्कृति के रंगों के बीच संपन्न हुआ। इस दो दिनी आयोजन में पूरा गांव भक्ति में माहौल में सराबोर रहा । इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के विभिन्न हिस्सों से आए लोक कलाकारों ने अलग-अलग विधाओं में मंचीय प्रस्तुति देकर लोककला और छत्तीसगढ़ी संस्कृति की खुशबू बिखर दी एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुती देख श्रद्धालु देर रात तक घूमते रहे । इस दौरान झांकी देखने आए मांढर सहित आसपास के

समापन सत्र में विधायक अनुज शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि हुए पहुंचे

ये रहे मौजूद

इस झांकी प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा, पूर्व विधायक अनीता योगेंद्र शर्मा , पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा , मंडल अध्यक्ष हरिशंकर वर्मा , मांढर सरपंच प्रतिनिधि हनुमंत आडिल, पूर्व जनपद सदस्य गणेशन मूर्ति तथा समिति के सदस्य गण उपस्थित थे।

ग्रामवासी वाह वाह करते मत्रमुग्ध हो गए । पूरे दो दिनों तक कलाकारों ऐसा रंग जमाया कि दर्शक झूमने को मजबूर हो गए ।

अंतिम दिन भक्ति गीतों पर झूमे श्रद्धालु झांकी देखने उमड़ी भीड़ :- झांकी प्रतियोगिता में भक्ति और लोक-संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला। जय बाबा रूक्खडनाथ शीतल सेवा पूरन जस झांकी मंडली तथा सोनू के सुरता वधवा जस झांकी परिवार व जय मां चंडी जस झांकी परिवार उतई जिला दुर्ग के मंडलियों शानदार झांकी का प्रदर्शन किया। इसके अलावा जय मां दुर्गा सेवा समिति कुंदरापारा मांढर मंडलियों ने सुवा, गौरी गौरा, जवारा दर्शन जैसे मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों को भावविभोर कर दिया ।

महंगे ब्लेजर और सूट के लिए दबाव बनाया जा रहा है, पालकों की नींद उड़ी

धरसींवा के निजी विद्यालयों में फेयरवेल के नाम पर आर्थिक शोषण पर कार्रवाई नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

शिक्षा जब सेवा के बजाय व्यवसाय बन जाती है, तो उसका सबसे भयावह चेहरा उन परिवारों के सामने आता है जो अपने बच्चों के भविष्य के लिए पेट काटकर फीस जमा करते हैं। इन दिनों धरसींवा क्षेत्र के निजी स्कूलों में 'फेयरवेल' यानी विदाई समारोह के नाम पर एक ऐसा ही व्यापारिक खेल खेला जा रहा है। स्कूल प्रबंधन द्वारा छात्रों पर विशेष 'ड्रेस कोड' (महंगे ब्लेजर और सूट) का दबाव बनाया जा रहा है, जिसने पालकों की रातों की नींद उड़ा दी है।

महज चंद घंटों के दिखावे के लिए हजारों का 'बलिदान'-हैरानी की बात यह है कि स्कूल प्रबंधन जिस भारी-भरकम ड्रेस कोड की अनिवार्यता थोप रहा है, उसका उपयोग सिर्फ एक दिन और महज कुछ घंटों के लिए होना है। एक दिन के फोटो सेशन और विदाई समारोह के लिए पालकों पर 3000 से 5000 रुपये का अतिरिक्त भार डालना समझ से परे है। सवाल यह उठता है कि क्या विदाई की यादें महंगे कपड़ों की मोहताज हैं? इस 'एक दिनी तमाशे' के लिए गरीब और मध्यमवर्गीय पालकों को अपनी जमा-पूंजी दांव पर लगानी पड़ रही है।

हीन भावना का शिकार हो रहे बच्चे

शिक्षाविदों का मानना है कि विदाई समारोह जैसे आयोजनों में महंगे कपड़ों की अनिवार्यता गरीब तबके के बच्चों के भीतर हीन भावना पैदा कर रही है। जो बच्चे महंगे सूट नहीं सिलवा पा रहे, वे इस यादगार आयोजन से खुद को कटा हुआ महसूस कर रहे हैं। यह स्थिति न केवल आर्थिक शोषण है, बल्कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी है। अब देखना यह होगा कि क्या जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग अपनी कुंभकर्णी नींद से जागते हैं या फिर निजी स्कूलों की यह 'व्यापारिक विदाई' निर्बाध रूप से जारी रहेगी।

शिक्षा के मंदिर में अनुशासन की बलि स्टंटबाजी पर शिक्षकों की तालियां

क्षेत्र के स्कूलों में इन दिनों विदाई समारोह के नाम पर अनुशासन की मर्यादाएं तार-तार हो रही हैं। स्कूल परिसर के भीतर ही छात्र खुली कारों और बाइकों पर जानलेवा स्टंट कर रहे हैं, लेकिन विडंबना देखिए कि जिन्हें इन छात्रों को सही राह दिखानी चाहिए, वे शिक्षक और प्रबंधन के जिम्मेदार लोग तालियां बजाकर इस हुड़दंग का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। स्कूल ग्राउंड को रेसिंग ट्रैक में तब्दील कर छात्र अपनी और दूसरों की जान जोखिम में डाल रहे हैं, वहीं गुरुजनों की यह 'ताली' आने वाले किसी बड़े हादसे की आहट को नजरअंदाज कर रही है। सड़कों पर तो नियम टूट ही रहे थे, अब स्कूल के भीतर भी रक्षक ही भक्षक की भूमिका में नजर आ रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम पर शिक्षा विभाग ने रहस्यमयी चुप्पी साध रखी है, जो उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

जांच करावाई जाएगी

कुछ प्रकरण हमारे संज्ञान में आया है और यह मामला काफी गंभीर है। मैंने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को इस पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच करवाता हूं।

- हिमांशु भारती, जिला शिक्षा अधिकारी रायपुर

अंतिम किस्त की मार और ड्रेस का अतिरिक्त बोझ

सत्र के अंत में पालक पहले से ही स्कूल की बकाया फाइनल फीस जमा करने के दबाव में हैं। परीक्षाओं के इस तनावपूर्ण समय में, जहां ध्यान पढ़ाई पर होना चाहिए, वहां स्कूलों ने फेयरवेल के नाम पर नए ब्लेजर और जूते-कपड़ों की अनिवार्यता लागू कर दी है। एक परिवार के लिए, जो बमुश्किल नियमित फीस का इंतजाम कर पाता है, उसके लिए अचानक यह अतिरिक्त खर्च किसी मानसिक प्रताड़ना से कम नहीं है।

कपड़ा व्यापारियों के साथ मिलीभगत की बू

क्षेत्र में चर्चा है कि इस ड्रेस कोड के पीछे स्कूल प्रबंधन और स्थानीय बड़े कपड़ा व्यापारियों के बीच एक गहरा गठजोड़ है। कई स्कूलों द्वारा बच्चों को अप्रत्यक्ष रूप से कुछ खास दुकानों से ही कपड़े खरीदने का निर्देश दिया जाता है। इस 'कमीशनखोरी' के खेल में व्यापारियों की तो चांदी हो रही है, लेकिन इसकी कीमत उन मासूम बच्चों और उनके लाचार माता-पिता को चुकानी पड़ रही है जो समाज में बराबरी दिखाने की होड़ में कर्ज लेने पर मजबूर हैं।

बैकफुट पर शिक्षा विभाग, पालकों में आक्रोश

इस पूरे मामले में शिक्षा विभाग की भूमिका संदिग्ध और निराशाजनक है। धरसींवा क्षेत्र में निजी स्कूलों की इस मनमानी के खिलाफ अब तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने संज्ञान नहीं लिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि विभाग ने निजी स्कूलों को खुली छूट दे रखी है। शिक्षा विभाग का यह 'बैकफुट' पर रहना क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और अभिभावकों के बीच भारी रोष का कारण बना हुआ है।

यादव समाज आरंग राज का अधिवेशन सम्पन्न

आरंग। छत्तीसगढ़ यादव (अहीर, ठेठवार) समाज आरंग राज का वार्षिक अधिवेशन यादव अहीर ठेठवार समाज भवन में उत्साहमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन ने समाज के वार्षिक अधिवेशन की बधाई देते हुए कहा कि समाज के विकास के लिए पालिका प्रशासन की ओर से सदैव सहयोग मिलता रहेगा। कार्यक्रम में विशिष्ट रूप से सुशील जलछत्री (पूर्व पार्षद), अध्यक्ष ढीमर समाज जिला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ छत्तीसगढ़, जिला उपाध्यक्ष भाजयुमो रायपुर ग्रामीण, खूबचंद साहू (प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य, अन्य पिछड़ा वर्ग मोर्चा भाजपा), नरेन्द्र लल्ला साहनी (मंडल उपाध्यक्ष, अनुसूचित जाति मोर्चा भाजपा), राजू यादव (पूर्व प्रांत अध्यक्ष महासभा राजिम) सहित अनेक अतिथि उपस्थित रहे। अधिवेशन में यादव समाज के अध्यक्ष हेम सिंह यादव, उपाध्यक्ष हुलास राम यादव, कोषाध्यक्ष गेदू राम यादव, सचिव सुखनंदन यादव, सहसचिव परसराम यदु, संरक्षक फेरूराम साहू, संतराम यादव (पूर्व अध्यक्ष), कृषलाल यादव, नंदकिशोर यादव, मुन्ना यादव (युवा प्रकोष्ठ संरक्षक), शिवकुमार यादव सहित समाज के वरिष्ठजन, महिला प्रकोष्ठ की सदस्याएं एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण के लिए शक्ति दल ने किया जनसंपर्क

आरंग। महिला सशक्तिकरण की दिशा में शक्ति दल संगठन द्वारा 6 फरवरी को आरंग विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अकोलिखुर्द में वृहद जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान के तहत गाँव की महिलाओं को शक्ति दल संगठन के उद्देश्यों, कार्यों एवं इससे जुड़ने के लाभों की विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शक्ति दल महिला संगठन की संयोजक लक्ष्मी धीवर ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शक्ति दल से जुड़कर महिलाएँ गाँव स्तर से आगे बढ़कर प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों तक अपनी बात प्रभावी ढंग से रख सकती हैं। संगठन की सामूहिक शक्ति के माध्यम से बड़े से बड़े कार्य भी संभव हो पाते हैं। वहीं शक्ति दल अध्यक्ष अधिवक्ता पंडित आयुष दुबे ने कहा कि संगठन का एकमात्र उद्देश्य आम लोगों का सहारा बनना और गाँव के सामान्य नागरिकों को विशेष पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि शक्ति दल महिलाओं को ऐसा मंच प्रदान करता है, जहाँ वे बिना झिझक अपनी समस्याएँ और विचार बड़े मंचों, अधिकारियों एवं नेताओं के समक्ष रख सकती हैं। सभा में उपस्थित जनपद सभापति अमर मांडले ने शक्ति दल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन से जुड़ने के बाद महिलाएँ अपनी बात उच्च स्तर तक प्रभावी रूप से पहुँचा सकती हैं, जिससे समस्याओं का त्वरित समाधान संभव होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता रूपचंद ने की। उन्होंने अकोलिखुर्द की महिलाओं को संगठित कर शक्ति दल के उद्देश्यों और लाभों से अवगत कराते हुए संगठन के कार्यों की सराहना की। जनसंपर्क अभियान के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएँ उपस्थित रहीं और संगठन से जुड़ने में रुचि दिखाई।

ब्लॉक स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट में चकवे की बालक-बालिका रहीं टीमें विजेता

आरंग। शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय, रानीसागर में प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन ग्रासरूट स्पोर्ट्स प्रोग्राम के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का अत्यंत भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में रानीसागर, चकवे, कागदेही, चपरीद, बाना एवं कुसमुंद की बालक एवं बालिका टीमों ने जुझारूपन, खेल कौशल, अनुशासन एवं टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रोमांचक मुकाबले प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वतन चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम पंचायत रानीसागर के सरपंच तानसिंह साहू ने की। मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में प्रतिभागी विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य में अपने क्षेत्र, जिला एवं प्रदेश का नाम रोशन करने हेतु शुभकामनाएँ एवं आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे, जिनके उत्साहवर्धन से प्रतियोगिता का वातावरण अत्यंत ऊर्जावान बना रहा। फाइनल मुकाबले में बालक एवं बालिका—दोनों वर्गों में चकवे विद्यालय की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इस आयोजन की प्रमुख प्रेरक शक्ति प्रथम संस्था रही, जो निरंतर ग्रामीण शिक्षा, खेल, कौशल विकास एवं समग्र विकास के लिए समर्पित है। संस्था के केंद्र प्रमुख अमित यदू, श्रीमान कोमल साहू तथा फिटनेस कोऑर्डिनेटर चेतन यादव की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

पीएम श्री सेजेस में वार्षिकोत्सव का आयोजन

अभनपुर। पीएम श्री सेजेस खोरपा में लोकायतन वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक इंद्र कुमार साहू रहे, जबकि अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुनीता सिसोदिया ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य अन्नू तारक,जनपद पंचायत उपाध्यक्ष खेलूराम साहू, सांसद प्रतिनिधि अर्जुन धीवर, विधायक प्रतिनिधि कृष्णकांत नामदेव, खोरपा सरपंच श्रीमती मीना ध्रुव तथा शाला विकास समिति अध्यक्ष रामसिंग उपस्थित रहे। वार्षिकोत्सव के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत विभिन्न प्रांतों के लोकनृत्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पंजाब का भांगड़ा, राजस्थान का घूमर, उड़ीसा का संबलपुरी नृत्य एवं छत्तीसगढ़ का आदिवासी नृत्य कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे। विद्यार्थियों ने मंच पर अपनी कला, संस्कृति और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। पर्यावरण संरक्षण पर आधारित सेव ट्री नाटक के माध्यम से बच्चों ने वृक्षारोपण और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। वहीं नशा मुक्ति विषय पर दी गई प्रेरक प्रस्तुति ने सामाजिक चेतना को मजबूती प्रदान की। छात्राओं द्वारा मां दुर्गा के काली स्वरूप को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया, जिसे दर्शकों ने विशेष सराहना दी। मुख्य अतिथि विधायक इंद्र कुमार साहू ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुरूप विषयों का चयन करना चाहिए, जिससे वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने सफलता के लिए सतत परिश्रम को आवश्यक बताते हुए विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में वर्षभर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही विद्यालय के विकास हेतु समय-समय पर सहयोग करने वाले दानदाताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन व्याख्याता निशा नैय्यर एवं पद्मादेवी साहू द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन व्याख्याता श्रीमती सोमा बनिक ने किया।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के खुला उल्लंघन से गरीब, मजदूर परेशान

सिलयारी। पूरे देश में कांग्रेस की सरकार खाद्य सुरक्षा अधिनियम लाकर भोजन का अधिकार दिया लेकिन राज्य सरकार इसकी भी धज्जियां उड़ा रहे है। रायपुर राजधानी की मुख्यालय धरसीवां में इसकी बानगी देखा जा सकता है। लेकिन भाजपा की गूंगी बहरी सरकार कानून को भी नहीं मानते इसके तहत राजधानी रायपुर की ब्लॉक मुख्यालय धरसीवां में लगभग 59 गांवों में आज तक चावल का भंडारण नहीं हुआ है। चावल भंडारन नहीं होने से वितरण नहीं हो पाया है अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित हो रहे है केंद्र सरकार दो महीने का चावल एक साथ देने की बात कर दी लेकिन e -P O S मशीन अपडेट नहीं हुआ है जिसके चलते चाह करके भी वितरण नहीं कर पाएंगे चावल भंडारन नहीं होने से 2महीने का चावल का आदेश भी धरा का धरा रह गया है गरीब मजदूर जरूरत मंद लोगो को भुगतना पड़ रहा है संवैधानिक अधिकार का भी खुला उलंघन है,क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्र के विधायक को गरीब वंचित लोगो को सुध लेने का समय नहीं है ।पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम वर्मा ने मांग की है कि गरीब, मजदूर जरूरत मद लोगो को तुरंत चावल उपलब्ध कराए जिला विपणन अधिकारी को राजधानी मुख्यालय धरसीवा ब्लॉक के विभिन्न सार्वजनिक वितरण प्रणाली में चावल का भंडारण कराए जिससे जरूरत मंद लोगो को चावल उपलब्ध कराए आप संवैधानिक प्रदत्त खाद्य सुरक्षा अधिनियम का पालन करे ।

सतभावा में पूर्व भूपेश बघेल ने मंगल भवन किया लोकार्पण

गलत सीमा निर्धारित करने से किसान धान बेचने से वंचित : पूर्व सीएम बघेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

तिल्दा विकासखंड के ग्राम पंचायत सतभावा में बने नव निर्मित मंगल भवन का लोकार्पण करने पहुंचे भूपेश बघेल ने भाजपा की विष्णु देव सरकार को किसान विरोधी करार देते हुए उन्होंने कहा की सरकार के द्वरा गलत तरीके से सीमाए तय किए जाने के कारण कई किसान धान बेचने से वंचित रह गए है।

शनिवार की शाम को ग्राम सतभावा में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 20 लाख की लागात से बने नवनिर्मित कुर्मी समाज के मंगल भवन का लोकार्पण किया।इस मौके पर गाव में आयजित मड़ई मेले के आयोजन की ग्रामीणों को बधाई दी।

कार्यक्रम को सबोधित करते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि मुझे खुशी हो रही है कि मुख्यमंत्री रहते हुए मैंने जिस मंगल भवन बनाने की घोषणा की थी आज वह भवन गाव में होने वाले हर मंगल कार्यो के लिए बनकर तैयार हुआ है और मेरे हाथों से इस भवन का लोकार्पण भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं जब मै प्रदेश का मुख्यमंत्री था,प्राय सभी समाज के लोगों को मेरे द्वरा मंगलभवन बनाने के लिए जमीन देने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा भवन निर्माण के लिए भी राशि की स्वीकृति प्रदान की गई थी. उनमें से एक भवन सतभावा का भी शामिल है।जिसका मैने आज यहाँ लोकार्पण किया है । श्री बघेल ने भाजपा की विष्णु देव सरकार को किसान विरोधी करार देते हुए कहा की आज प्रदेश का किसान काफी परेशान है. उन्होंने कहा तय कैटेगरी के कारण धान खरीदी के समाप्त हो जाने के बाद भी कई किसान खरीदी केंद्रों तक नहीं पहुंच पाएऔर धान नहीं बेच सके हैं। सरकार के द्वरा टोकन वितरण में सीमाएं तय कर दी गई थी , जिससे छोटे और सीमांत किसानों को नुकसानहुआ है ।बघेल ने आरोप लगाया कि सरकार की मंशा धान खरीदने की नहीं है। पहले किसानों को यूरिया नहीं दिया गया, फिर रकबा गायब कर दिया गया और अब खरीदी के लिए नए नियम लागु कर दिए गए । उन्होंने सरकार परऔर भी कई और गंभीर आरोप लगाए। इसके पहले भूपेश बघेल के सतभावा पहुंचने पर ग्रामीणों ने गाजे बजे के साथजोरदार स्वागत किया ।भूपेश बघेल के साथ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पूर्व पाठ्यपुस्तक निगम के अध्यक्ष एवं बलौदा बाजार क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी शैलेश नितिन त्रिवेदी जनक राम वर्मा, भी साथ में पहुंचे थे। कार्यक्रम में तिल्दा छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी समाज तिल्दा राज के अध्यक्ष ठाकुर राम वर्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। गांव पहुंचने के पहले भूपेश बघेल का कांग्रेस तिल्दा शहर एवं ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष अजितेश शर्मा बलदंउ राम साहू ,ओम ठाकुर तुलसी राम साहू ,गजानंद वर्माकैलाश गाँधी , सहित सैकड़ो कांग्रेसियों ने शैलेश नितिन त्रिवेदी के नेतृत्व में भव्य स्वागत कर भूपेन बघेल और कांग्रेस के पक्ष में जमकर नारे लगाए।

मानव की सुख-शांति अध्यात्म में है निहित : पं. महेंद्र तिवारी

आरंग। बैहार दुर्गा चौक में 4 से 10 फरवरी तक आयोजित श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में आयोजन किया जा रहा है। समस्त महिला समूह 'बिहान' द्वारा कलश यात्रा के साथ देवी पूजन कर कथा का शुभारंभ किया गया। कथा व्यास पंडित महेंद्र तिवारी महाराज, कोमाखान द्वारा संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण हेतु पहुंच रहे हैं। कथा के दौरान महेंद्र तिवारी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा साक्षात मोक्ष स्वरूप है। मानव को परम सुख और शांति केवल अध्यात्म से ही प्राप्त हो सकती है तथा अध्यात्म का संपूर्ण सार भागवत में निहित है। राजा परीक्षित और सुखदेव जी के प्रसंग के माध्यम से उन्होंने बताया कि भागवत चिंतन से ही जीव परम गति को प्राप्त करता है। प्रह्लाद

चरित्र, ध्रुव चरित्र, अजामिल कथा, समुद्र मंथन, सृष्टि विराट रूप, वामन अवतार, राम जन्म, कृष्ण जन्म, बाल लीला, दही लूट, मथुरा गमन, रुक्मिणी विवाह, सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष, तुलसी वर्षा आदि प्रसंगों के माध्यम से भक्तों को ज्ञान और वैराग्य का महत्व समझाया गया। उन्होंने कहा कि देहाभिमान त्यागने पर ही भगवान की प्राप्ति संभव है। भागवत कथा महोत्सव के आयोजन में समस्त महिला समूह 'बिहान' संतोषी साहू, डोमेश्वरी, सुनीता मनोज, लता, छिता, उमा, पांडेश्वरी, सेवती, हिना, भारती, मोहनी, सुनीता संजय, झरना सहित समस्त महिला समूह बैहार का विशेष सहयोग रहा।

खट्टर बोले- केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के लिए कई अवसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय ऊर्जा, आवासन और शहरी विकास कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को राजधानी में प्रदेश के प्रमुख उद्योगपतियों, व्यापारियों व बुद्धिजीवियों से केंद्रीय बजट के परिप्रेक्ष्य में आहूत बजट संवाद' कार्यक्रम में कहा, केंद्रीय बजट में छत्तीसगढ़ के व्यापारियों के लिए अनेक अवसर हैं। केंद्र सरकार के संसद में प्रस्तुत बजट-2026-27 से छत्तीसगढ़ को भी अनेक लाभ होने जा रहे हैं।

- बजट संवाद कार्यक्रम में कहा- हमारा बजट व्यापार को नई दिशा देगा

छत्तीसगढ़ के 32 रेलवे स्टेशन अब एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित होंगे। छत्तीसगढ़ का रेलवे बजट ऐतिहासिक रूप से बढ़ाकर 7,470 करोड़ रुपए कर दिया गया है जिससे छत्तीसगढ़ में चल रही 54 हजार करोड़ रुपए की परियोजनाओं को एक बड़ा बल मिलेगा। छत्तीसगढ़ में माइनिंग कॉरिडोर से निवेश, उद्योग-व्यापार और रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि होगी। श्री खट्टर ने कहा, छत्तीसगढ़ के गांव-गांव में रहने वाली महिलाओं को 'शी-मार्ट' के माध्यम से अपने उत्पाद को न सिर्फ बेचने, बल्कि उसकी ब्राण्डिंग करने और आर्थिक रूप से सशक्त होने में मदद मिलेगी।

केन्द्र सरकार ने लगातार व्यापारी हित में अनेक कार्य किए हैं। इनमें टैक्स के कम्प्लाइन्स को कम करना हो, टैक्स की दरों को कम करना हो, या फिर कई जटिल कानूनों को हटाना हो, केन्द्र सरकार इसमें पीछे नहीं रही है। इस बार भी एमएसएमई सेक्टर में 10 हजार करोड़ रुपए की मदद व्यापारियों के लिए बहुत ही मददगार साबित होगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा, गलती होने पर जेल जाने के प्रावधान हटाए जाने से भी व्यापारियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। लखपति दीदी के विस्तार से भी छत्तीसगढ़ की महिलाओं को भी इसका लाभ मिलेगा।

व्यापारियों के लिए बजट में गेम चेंजर प्रावधान

बजट में विकसित भारत की अवधारणा

श्री खट्टर ने कहा, जब व्यक्तिगत लाभ की योजनाएं ज्यादा चलती हैं, तो व्यक्ति को सरकारों से सीधा लाभ मिलता है, लेकिन उससे इकॉनॉमी में पैसै और संसाधनों का सर्कुलेशन ज्यादा नहीं होता। जब किसी योजना में सरकार पैसै डालती है तो इकॉनॉमी में पैसे का सर्कुलेशन ज्यादा समय तक रहता है और इकॉनॉमी ग्रो करती है। केन्द्रीय मंत्री ने केन्द्र सरकार के सभी मंत्रालयों द्वारा विकसित भारत की तरफ क्रियान्वित की जा रही योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह बजट विकसित भारत की अवधारणा से जुड़ा हुआ है। केन्द्र सरकार के इस बजट में अनेक सुधारात्मक उपायों पर जोर दिया गया है जिससे व्यापारियों व अन्य वर्गों का सरकार से रिश्ता सहज-सरल हो।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम को केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी और रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन बजट समिति के सदस्य और बजट संवाद कार्यक्रम के प्रभारी अमित चिमनानी ने किया। कार्यक्रम में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी व मोतीलाल साहू, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल, आर्थिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक शिव चंद्राकर, रायपुर शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर सहित बड़ी संख्या में चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, कैट, सीए एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, व्यापारी, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की उपस्थिति रही। इस मौके पर चैंबर ऑफ कॉमर्स के एक प्रतिनिधिमण्डल ने केंद्रीय मंत्री को अपना सुझाव पत्र सौंपा।

खबर संक्षेप

सिंधी काउंसिल का निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 22 को, पोस्टर विमोचित

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई एवं सिंधु डॉक्टर फोरम की ओर से एमएमआई हॉस्पिटल में 22 फरवरी को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है, जिसका पोस्टर विमोचन एमएमआई हॉस्पिटल में रविवार को किया गया। विमोचन अवसर पर सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ, संजय रहेजा, विक्की लोहाना, सुनील कुकरेजा, डॉ. एनडी गजवानी, डॉ. सुनील धर्मानी, अजीत कुमार बेलमकुंडा, ईश्वरचंद देशमुख, सतनाम सिंह, हार्पित सिंह, निलेश तारवानी, रितेश वाधवा, धनेश मटलानी, जीतू लोहाना, मनीष तलरेजा, महिला विंग प्रदेशाध्यक्ष काजल सचदेव, लक्ष्मी बजाज आदि उपस्थित थे।

धोबी समाज के मैरिज गार्डन के निर्माण के लिए भूमिपूजन कल

रायपुर। छत्तीसगढ़ धोबी समाज के मैरिज गार्डन की चारदीवारी तथा शौचालय, बाथरूम, नलकूप निर्माण के लिए भूमिपूजन समारोह का आयोजन 10 फरवरी को दोपहर 1 बजे शुरू होगा। यह जानकारी समाज के लोगों ने देते हुए बताया कि निर्माण कार्य सांसद निधि, विधायक निधि से संपन्न होगा। इसके अलावा समाज के दानदाताओं द्वारा अतिरिक्त कक्ष निर्माण नातिन धोबिन दाई परिसर बोरियाखुर्द में ही होगा। साथ ही समाज के विवाहयोग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन, सामाजिक प्रकरणों का निपटारा भी किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता धोबी समाज के प्रदेशाध्यक्ष सूरज निर्मलकर करेंगे। स्वागत समिति का अध्यक्ष राजधानी के अध्यक्ष वरुण निर्मलकर को बनाया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि विधायक सुनील सोनी होंगे। विशिष्ट अतिथि महापौर मीनल चौबे, शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर, जोन अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, पार्षद रमेश सपहा समेत अनेक दिग्गज नेता शामिल होंगे।

लोकतंत्र की मजबूती का मॉडल बना रायपुर सिटी

रायपुर। भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2026) के अंतर्गत रायपुर सिटी दक्षिण विधानसभा क्षेत्र ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में सर्वप्रथम सौंपे गए सुनवाई के दायित्वों को शत-प्रतिशत पूर्ण किया है। यह सफलता कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह के सक्षम मार्गदर्शन तथा ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ, सुपरवाइज़र, तकनीकी टीम और निर्वाचन से जुड़े समस्त कार्मिकों के समर्पित एवं समन्वित प्रयासों का परिणाम है। मतदाता सूची को त्रुटिरहित, मृत, पलायन कर चुके एवं डुप्लीकेट नामों को हटाने के साथ-साथ पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई। इसकी शुरुआत 4 नवंबर से बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित एवं संकलन से हुई। रायपुर सिटी दक्षिण विधानसभा क्षेत्र ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सौंपे गए एसआईआर-2026 के दायित्वों का 5 फरवरी तक सफलतापूर्वक निर्वहन कर एक जटिल और महत्वपूर्ण कार्य को समय से पहले पूर्ण किया।

देश में यदि सबसे अच्छा आदिवासी कल्याण किसी राज्य ने किया है तो वह है छत्तीसगढ़

अमित शाह ने कहा- छत्तीसगढ़ बीमारू से विकसित राज्य बन रहा, 25 साल में बजट 30 गुना बढ़ चुका

आईडियोलॉजी का राजनीति में बड़ा रोल', बीमारू राज्य अब विकसित हो रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के आर्थिक आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा, विकास के मामले में छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य के वार्षिक बजट में 25 वर्षों में 30 गुना वृद्धि हो चुकी है। यहां प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 25 गुना वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा, राज्य की आर्थिक स्थिति को मापने वाले 16 के 16 संकेतकों में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय सुधार किया है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में शिफ्टिंग द लेंस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संघ और भाजपा की विचारधारा की जमकर तारीफ की। कृषि क्षेत्र की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में सिंचाई क्षमता दोगुनी हुई है। खरीफ फसलों के उत्पादन में तीन गुना और रबी फसलों के उत्पादन में लगभग छह गुना वृद्धि दर्ज की गई है। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में हुए सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि जिला अस्पतालों की संख्या 7 से बढ़कर 30 हो गई है, मेडिकल कॉलेज 1 से बढ़कर 16 हो गए हैं और आंगनबाड़ी भवनों में 18 गुना वृद्धि हुई है। कुपोषण से होने वाली मृत्यु दर 61 से घटकर 15, मातृ मृत्यु दर 365 से घटकर 146 और शिशु मृत्यु दर 79 से घटकर 37 रह गई है।

छत्तीसगढ़ में सबसे अच्छा आदिवासी कल्याण

आदिवासी कल्याण पर उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में साक्षरता दर 65 प्रतिशत से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गई है। एक भी एकलव्य आवासीय विद्यालय नहीं था। आज 75 संचालित हो रहे हैं और छात्रावासों में पढ़ने वाले बच्चों की संख्या तीन गुना बढ़ी है। उन्होंने कहा, देश में यदि सबसे अच्छा आदिवासी कल्याण किसी राज्य ने किया है तो वह छत्तीसगढ़ है।

छत्तीसगढ़ बीमारू राज्य से विकसित राज्य की दिशा में बढ़ चुका

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ आज 25 वर्ष का हो चुका है और इस दौरान राज्य ने अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। कभी 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी में गिने जाने वाले क्षेत्रों में शामिल रहे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ आज विकसित राज्य बनने की कगार पर हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ के 25 वर्षों में से लगभग 18 वर्ष भारतीय जनता पार्टी की सरकार रही और 7 वर्ष कांग्रेस की सरकार रही। 25 वर्षों बाद यदि पीछे मुड़कर देखें तो छत्तीसगढ़ बीमारू राज्य से विकसित राज्य की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ चुका है।

बीमारू राज्य अब विकसित हो रहे

अमित शाह ने मंच से कहा, एक समय विशेषज्ञों ने पिछले राज्यों को बीमारू नाम दिया था। उन्होंने बीमारू को परिभाषित भी किया। बीआई से बिहार, एमए से मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़, आर से राजस्थान, यू से उत्तरप्रदेश और उत्तराखंड। उन्होंने कहा, अब ये सभी प्रदेश विकसित राज्यों की श्रेणी में हैं, क्योंकि यहां लंबे समय से हमारी सरकार है।

बस्तर सबसे विकसित जिला होगा

नक्सली समस्या पर उन्होंने कहा, यह न तो विकास की कमी का परिणाम है और न ही केवल कानून-व्यवस्था की समस्या, बल्कि पूरी तरह विचारधारा आधारित चुनौती है। उन्होंने कहा कि बंदूक से समस्या का समाधान भारतीय संविधान की आत्मा के विरुद्ध है। उन्होंने दोहराया कि सरकार किसी पर गोली नहीं चलाना चाहती, हथियार डालने वालों के लिए रेड कार्पेट बिछा है और आदिवासी युवाओं से अपील की कि वे आत्मसमर्पण करें तथा मुख्यधारा में लौटें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर सहित माओवादी प्रभावित क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 25 वर्षों का ट्रैक रिकॉर्ड बताता है कि छत्तीसगढ़ ने जिस गति से विकास किया है, आने वाले 25 वर्षों में वह दोगुनी रफ्तार से आगे बढ़ेगा और देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

खरीफ फसलों के उत्पादन में तीन गुना और रबी फसलों के उत्पादन में लगभग छह गुना वृद्धि दर्ज की गई

जिला अस्पतालों की संख्या 7 से बढ़कर 30 हो गई

हमारी सरकार ने बेहतर काम किया

कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए अमित शाह ने कहा, जिन राज्यों को बीमारू होने में सालों लगे, उनसे कम समय में हमारी सरकार ने उन्हें विकसित करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश में कमोबेश लंबे समय तक तीन आईडियोलॉजी की सरकारें रही हैं, जिनमें कांग्रेस, वामपंथी और अब बीजेपी की सरकार शामिल है। सरकार के तीनों कालखंड आपके पास उपलब्ध हैं। यह प्रमाणित है कि हमारी सरकार ने बेहतर काम किया, क्योंकि हमारी विचारधारा 'सबका साथ, सबका विकास' की है।

राजनीति में आईडियोलॉजी का बहुत महत्वपूर्ण रोल

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, राजनीति में आईडियोलॉजी का बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है। आईडियोलॉजी ही निश्चित आयामों की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा, जिस राजनीतिक पार्टी की विचारधारा ही न हो, वह राज्य का या देश का भला नहीं कर सकती है। शाह ने मंच से कहा, हमारी विचारधारा से निकला हुआ व्यक्ति जब कोई काम करता है तो वह अच्छा होता है। उन्होंने कहा, जो लोग केवल एडमिनिस्ट्रेटिव तरीके से काम करते हैं, वहां आंध्रप्रदेश और तेलंगाना जैसी कटुता आ जाती है। राजनीति में आईडियोलॉजी का बहुत महत्वपूर्ण रोल होता है। आईडियोलॉजी ही शासन को ड्राइव करती है, निश्चित आयामों की ओर ले जाती है, इसीलिए महात्मा गांधी ने कहा था कि विचारधारा से अलग राजनीति को मैं अधर्म मानता हूं। उन्होंने कहा, जिस राजनीतिक पार्टी की विचारधारा ही न हो, वह राज्य का या देश का भला नहीं कर सकती है।

छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक धान लघु किसानों ने बेचा पिछले सीजन से ज्यादा

फाइल फोटो

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- धान खरीदी पिछले साल के लगभग बराबर ही रही, अंतर दशमलव 5 प्रतिशत का

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2025-26 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 6 फरवरी को समाप्त हो गई है। इस सीजन में सबसे अधिक धान राज्य के लघु कृषकों ने बेचा है। हालांकि राज्य में लघु से ज्यादा सीमांत किसान हैं। खास बात ये है कि धान बेचने के मामले में बड़े किसान यानी दीर्घ की संख्या पिछले सीजन से कम रही है।

राज्य में खरीफ सीजन के दौरान कुल मिलाकर 25 लाख 24 हजार 339 किसानों ने धान बेचा है। पिछले सीजन के मुकाबले देखा जाए तो 2024-25 में धान बेचने वाले कुल किसानों की संख्या 25 लाख 49 हजार 606 थी। इस हिसाब से देखा जाए तो इस सीजन में कुल मिलाकर 91.69 प्रतिशत किसानों ने धान बेचा है। पिछले सीजन में धान बेचने वाले किसानों का प्रतिशत 91.74 था। इन आंकड़ों के हिसाब से धान बेचने वालों की संख्या में आंशिक कमी आई है।

सीमांत किसानों ने कम लघु ने अधिक धान बेचा

राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था में लघु और सीमांत किसानों की संख्या ही सबसे अधिक है। एक तरफ जहां लघु किसानों ने पिछले सीजन के मुकाबले अधिक धान बेचा है, वहीं इस सीजन में सीमांत किसान कम संख्या में धान बेच पाए हैं। 2024-25 में धान बेचने वाले सीमांत किसानों की संख्या 14 लाख 46 हजार 937 थी, जबकि 2025-26 में धान बेचने वाले सीमांत किसानों की संख्या 12 लाख 3 हजार 79 रही। इसी क्रम में लघु किसानों ने इस सीजन में 12 लाख 25 हजार 635 किसानों ने धान बेचा, पिछले साल 7 लाख 1 हजार 885 ने धान बेचा था।

इस बार किसानों का पंजीयन भी कम

राज्य में इस साल धान बेचने के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों की संख्या 27 लाख 53 हजार 7 रही। जबकि पिछले साल 27 लाख 79 हजार 95 का पंजीयन हुआ था। हालांकि दोनों साल में पंजीकृत किसानों की संख्या में मामूली अंतर है। जानकारों की मानें तो इस साल पंजीयन के लिए दोहरी प्रणाली अपनाई गई थी, इसमें केंद्र सरकार के एग्रीस्टेक पोर्टल और राज्य सरकार के एकीकृत किसान पोर्टल के माध्यम से पंजीयन किया गया। इस बार पंजीयन के दौरान वे लोग पकड़े गए हैं, जिनकी खेती की जमीन कहीं और थी, लेकिन उन्होंने यहां पंजीयन करा रखा था। ऐसा करने वालों में दूसरे राज्यों के फर्जी किसान भी शामिल थे।

राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान की स्थापना का रास्ता खुला

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल के अथक प्रयास से प्रदेश में पहले राष्ट्रीय कौशल विकास संस्थान (एनएसटीआई) की स्थापना का मार्ग रास्ता खुल गया है। श्री अग्रवाल द्वारा लोकसभा में इस विषय को प्रखरता से उठाए जाने के बाद अब राज्य के तकनीकी शिक्षा विभाग ने प्रक्रिया तेज कर दी है। तकनीकी शिक्षा विभाग ने रायपुर कलेक्टर को पत्र लिखकर जमीन की जानकारी मांगी है। जमीन का चिह्नांकन होने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उल्लेखनीय है, छत्तीसगढ़ में एनएसटीआई की आवश्यकता को लेकर श्री अग्रवाल ने संसद में 2 फरवरी 2026 को प्रभावी ढंग से आवाज उठाई थी।

उनके द्वारा पूछे गए लिखित प्रश्न के उत्तर में केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया था कि राज्य की ओर से 10 एकड़ जमीन उपलब्ध होते ही फंड जारी कर दिया जाएगा। सांसद के निरंतर फॉलोअप और दबाव का ही परिणाम है कि अब जिला प्रशासन रायपुर (सड्डू या मोवा) में जमीन की तलाश कर रहा है। श्री अग्रवाल ने कहा, हमारा लक्ष्य छत्तीसगढ़ के युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनाना है। एनएसटीआई के माध्यम से हम ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को आधुनिक उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप तैयार करेंगे, जिससे पलायन रुकेगा और स्थानीय स्तर पर समृद्धि आएगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने कहा- मैं असम के लाखों कार्यकर्ताओं की तरह एक सामान्य कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव अपने तीन दिवसीय असम प्रवास के दूसरे दिन लखीमपुर क्षेत्र के भीमपारा में एक भव्य जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, असम की जनता ने विकास और सुशासन के पक्ष में अपना मत देकर विकास को चुना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन पर मुहर लगाई। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के कुशल नेतृत्व में असम का विकास भारत की प्रगति में बड़ा स्थान रखता है। उन्होंने कहा, मैं जनता का मन पढ़ना जानता हूं, असम कह रहा है, एक बार फिर भाजपा सरकार। उन्होंने कहा, असम की जनता ने ठाना है कि वे भाजपा को लाएंगे और विकास के इस सफर को जारी रखेंगे। उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाने और असम को विकास के नए शिखर पर पहुंचाने में अपनी सहभागिता निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, समृद्ध और विकसित असम के लिए फिर एक बार भाजपा सरकार बनाना आवश्यक है। असम विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर भाजपा ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए उप मुख्यमंत्री को असम की 9 विधानसभा सीटों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

- असम चुनाव में डिप्टी सीएम अरुण साव ने 9 विधानसभा सीटों के लिए संभाला मोर्चा

बैठक में कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद

उप मुख्यमंत्री बूथ विजय अभियान के तहत असम के लखीमपुर जिला समिति द्वारा आयोजित संगठनात्मक बैठक में शामिल हुए। लखीमपुर, रंगनाडी और नाओबाइचा विधानसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं की इसमें सक्रिय भागीदारी रही। उन्होंने विधानसभावार संगठनात्मक बैठक लेकर स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया। इसमें चुनावी रणनीति, बूथ प्रबंधन और जनसंपर्क को लेकर विस्तार से चर्चा की। रविवार को ढाकुआखाना भाजपा कार्यालय में एवं धेमाजी स्थित भाजपा कार्यालय में धेमाजी, सिसीबोरगांव, जोनाई विधानसभा के पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक किया। वहीं सोमवार को 2 विधानसभाओं के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों की बैठक लेंगे। उन्होंने असम में साहू समाज के प्रतिनिधियों से आत्मीय मुलाकात की। सामाजिक प्रतिनिधियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ के अनेक परिवार रोजगार की तलाश में वर्षों पहले असम के चाय बागानों तक पहुंचे थे। आज वे डिब्रूगढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में पूरे परिवार के साथ सम्मानजनक जीवनयापन कर रहे हैं। असम को उन्होंने अपनी कर्मभूमि बनाया है, लेकिन छत्तीसगढ़ की मातृभूमि से उनका भावनात्मक जुड़ाव आज भी उतना ही मजबूत है।

क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के तहत दी जाएगी राशि

खिलाड़ियों को 20 हजार से 75 हजार तक खेलवृत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिए ये खबर काम की है, राज्य सरकार ने क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना अंतर्गत प्रतिभा खोज के तहत खिलाड़ियों हेतु खेलवृत्ति वर्ष 2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। क्रीड़ा प्रोत्साहन के अंतर्गत प्रतिभा खोज के तहत खिलाड़ियों को खेलवृत्ति देने का प्रावधान है। खिलाड़ियों को 20 हजार से लेकर 75 हजार रुपए तक खेलवृत्ति दी जाएगी।

प्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड एवं नेशनल गेम्स में शामिल खेलों के राष्ट्रीय खेल, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के सीनियर, जूनियर एवं सब जूनियर वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को सीनियर वर्ग हेतु क्रमशः 75 हजार, 50 हजार, 40 हजार, जूनियर वर्ग हेतु क्रमशः 60 हजार, 40 हजार, 30 हजार एवं सब जूनियर वर्ग हेतु क्रमशः 50 हजार, 25 हजार और 20 हजार की खेलवृत्ति प्रदाय की जाएगी।

हर साल मिलेगी राशि

बताया गया है कि इस योजना के तहत प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रतिभा खोज कार्यक्रम के तहत खेल प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को खेलवृति दी जाएगी। एकल व दलीय खेलों में वास्तविक रूप से उक्त प्रतियोगिता में खेले हुए खिलाड़ी पात्र होंगे, जिसका प्रमाण संबंधित खेल संघ पदाधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। स्वीकृति के लिए संचालक, खेल एवं युवा कल्याण सक्षम अधिकारी होंगे।

ये होंगी शर्तें

खिलाड़ी छत्तीसगढ़ का मूल निवासी हो तथा प्रतियोगिता में राज्य की ओर से प्रतिनिधित्व किया हो। यदि खिलाड़ी एक से अधिक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया हो तो उनमें से श्रेष्ठतम वर्ग के आधार पर खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी। यदि कोई खिलाड़ी दो अलग-अलग वर्गों में पदक अर्जित किया हो तो उसकी सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि के आधार पर खेलवृत्ति प्रदान की जाएगी।

आयु 25 वर्ष तक तय

नियम के मुताबिक, प्रत्येक वित्तीय वर्ष में एक खिलाड़ी को एक बार ही खेलवृत्ति की पात्रता होगी। खेलवृत्ति की राशि अधिकतम आयु 25 वर्ष तक के खिलाड़ियों को प्रदाय की जाएगी। आवेदन वर्ष के विगत वर्ष में अर्जित उपलब्धियों के आधार पर पात्रता का निर्धारण किया जाएगा। विगत वर्ष 2024-25 में खिलाड़ियों द्वारा अर्जित उपलब्धि के आधार पर योजना के तहत खेलवृत्ति प्रदाय की जाएगी।

इमरजेंसी वार्ड की बिगड़ी एक्सरे मशीन महीनेभर बाद सुधरी, नई मशीन के लिए करना होगा इंतजार

आंबेडकर अस्पताल में जांच के लिए मरीजों को लगाने पड़ रहे थे चक्कर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

आंबेडकर अस्पताल के इमरजेंसी विभाग की बिगड़ी एक्स-रे मशीन महीनेभर बाद सुधार दी गई है। इसके अभाव में दर्द से कराहने वाले मरीजों को भी जांच के लिए लंबे चक्कर लगाने पड़ रहे थे। पुरानी होने की वजह से आए दिन खराब होने वाले इस मशीन को बदलने की योजना थी, जिसके लिए अभी इंतजार करना होगा।

यूं तो आंबेडकर अस्पताल में मरीजों की जांच में उपयोग की जाने वाली ज्यादातर मशीनें पुरानी हो चुकी हैं। इनमें इमरजेंसी विभाग में आने वाले गंभीर मरीजों की जांच के लिए एक्स-रे मशीन भी है। एक्सीडेंट सहित विभिन्न घटनाओं में जख्मी होकर आने वाले मरीजों को यहां जांच की सुविधा मिलती थी, जो पिछले महीनेभर से ठप थी। मरीजों को चिकित्सकीय जांच के बाद रेडियोडायग्नोसिस टेस्ट के लिए विभाग को ओपीडी कक्ष की ओर लंबा सफर तय कर जाना पड़ता था। मरीजों की इस परेशानी की एकमात्र वजह मशीन का खराब होना था। लगातार शिकायतों के बाद अस्पताल प्रबंधन ने बिगड़ी मशीन को काफी कोशिश के बाद सुधार कराकर इसके माध्यम से जांच की सुविधा प्रारंभ कर दी है। अस्पताल सूत्रों का कहना है कि इसे बदलकर नई मशीन लगाने का विचार किया जा रहा था, मगर खरीदी प्रक्रिया पाइपलाइन में होने की वजह से पुरानी मशीन से ही काम चलाना पड़ रहा है।

आधा दर्जन मशीनों के भरोसे : आंबेडकर अस्पताल में प्रतिदिन दो से तीन सौ लोगों को विभिन्न परिस्थिति में एक्सरे की जरूरत पड़ती है। मरीजों के लिए यहां आधा दर्जन एक्सरे मशीनें लगाई गई हैं। ऐसी स्थिति अक्सर बनती है, जब एक-दो मशीनें खराब हो जाती हैं। ऐसे में जांच का दबाव बढ़ जाता है। अस्पताल में सुविधा के विस्तार के लिए एक्सरे सहित अन्य मशीनें खरीदने की योजना तो बनाई गई है, मगर खरीदी प्रक्रिया अधर में है।

निजी अस्पताल में शुल्क महंगा

मशीन बिगड़ने की वजह से मरीजों को कई बार जांच के लिए निजी अस्पतालों तक जाना पड़ता है। निजी अस्पताल में एक्सरे जैसी जांच के लिए पांच सौ से डेढ़ हजार रुपए तक खर्च करने पड़ते हैं। आंबेडकर अस्पताल में आने वाले ज्यादातर मरीज आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं और मशीनों के खराब होने की वजह से पैसे खर्च करना उनकी मजबूरी होती है।

घोषणा पर खरीदी में पेंच

राज्य शासन द्वारा अस्पताल में सुविधा के विस्तार के लिए कई तरह की मशीनों की खरीदी के लिए बजट स्वीकृत किया जा चुका है। खरीदी की जिम्मेदारी सीजीएमएससी को दी गई है, जहां विभिन्न टेंडरों पर इसका पेंच फंसा हुआ है। पिछले दिनों स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने समीक्षा बैठक के दौरान यहां की लचर व्यवस्था पर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं।

खबर संक्षेप

बालाजी गार्डन सोसाइटी में हनुमान चालीसा

रायपुर। बालाजी गार्डन सोसाइटी फाफाडीह में शनिवार रात को हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। हनुमान चालीसा पाठ से निवासियों को मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा और सुरक्षा का अनुभव होता है। यह दिव्य पाठ डर और बाधाओं को दूर कर शक्ति और साहस प्रदान करता है। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिक पूर्व पार्षद रमेश आहूजा, दिलीप अग्रवाल, रामअवतार, श्रवण जैन, योगेश अग्रवाल, सुब्रत डोलावत, अनिल ओझा, दिनेश शर्मा, राजेंद्र जैन आदि उपस्थित थे।

ज्योतिमा को पीएचडी की उपाधि

रायपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय ने ज्योतिमा पटेल को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उनके शोध का विषय इतिहास पर छत्तीसगढ़ की परंपराओं, लोकगीत, धर्म एवं कला का ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन था। उन्होंने अपना शोधकार्य कलिंगा यूनिवर्सिटी की डॉ. संजना सिंह के मार्गदर्शन में पूरा किया। डॉ. ज्योतिमा ने इसके लिए माता-पिता, गुरुजन सहित विश्वविद्यालय प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए निरंतर इन विषयों पर कार्य करते हुए समाजसेवा के माध्यम से आमजनों को जागरूक कर, छत्तीसगढ़ प्रदेश की परंपराओं को विश्वस्तर पर पहचान दिलाने का भरोसा दिया है।

90 फीसदी काम पूरा, 10 फीसदी कार्य पूरा करने 31 मार्च की डेडलाइन

ट्रैंचिंग ग्राउंड में स्क्रीनिंग मशीनों से कचरे की छंटाई, 8 पोकलेन-हाईवा और जेसीबी भी लगाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी के सरोना स्थित नगर निगम के पुराने ट्रैंचिंग ग्राउंड में दो दशक से दबे शहरभर के 450 लाख मीट्रिक टन कूड़े को निकालकर 2 हाईटेक मशीनों से इस समय कचरा छंटाई की जा रही है। नगर निगम से अनुबंधित एजेंसी ने 28 एकड़ में फैली डंप साइट से कचरा निकालने और उसकी ढेरी बनाकर तीन अलग-अलग हिस्से में बांटते हुए छंटाई का काम 90 फीसदी पूरा कर लिया है। शेष 10 फीसदी कार्य पूरा करने नगरीय प्रशासन विभाग ने 31 मार्च 2026 तक का समय दिया है। ठेका एजेंसी के काम की धीमी रफ्तार को लेकर हाल ही में नगरीय निकाय मंत्री अरुण साव ने इसके लिए अनुबंधित एजेंसी को जमकर फटकार भी लगाई और 31 मार्च तक हर हाल में सरोना में डंप कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन कार्य पूरा करने निर्देशित किया है।

दरअसल कचरा, गंदगी और बदबू का पर्याय बने सरोना के पुराने ट्रैंचिंग ग्राउंड की अब सूरत बदल रही है। दशकों से दबे कूड़े-करकट का वैज्ञानिक निष्पादन कर इसे खेल मैदान के रूप में विकसित करने की तैयारी है। ट्रैंचिंग ग्राउंड में दशकभर से शहर का कचरा एकत्र किया जा रहा था, जिसके चलते वहां के भूजल और शहर की जीवनदायिनी खारुन नदी के प्रदूषित होने का खतरा था। एनजीटी ने इस मामले को लेकर नगर निगम को फटकार भी लगाई थी। नदी के आसपास के क्षेत्र से कूड़ा हटाने और उसका वैज्ञानिक निष्पादन करने हिदायत दी गई। तब जाकर नगर निगम ने ऑनलाइन टेंडर कर वहां दबे कूड़े के वैज्ञानिक निष्पादन के लिए रायगढ़ की कंपनी को ठेका दिया। सूत्रों के मुताबिक, दिसंबर 2024 तक इस कार्य को पूरा करने की समयसीमा दी गई, पर काम की धीमी रफ्तार और सीमित संसाधनों के चलते निर्धारित समय तक यह कार्य पूरा नहीं हो पाया। नगर निगम ने इसके लिए अनुबंधित एजेंसी पर पेनाल्टी भी लगाई। अनुबंधित एजेंसी की मांग पर बाद में समयसीमा बढ़ाई गई। अब 31 मार्च 2026 तक ठेका कंपनी को यह काम हर हालत में पूरा करना है। डंपिंग साइट को पूरी तरह साफ कर वहां खाली होने वाली जमीन पर खेल स्टेडियम या सोलर पॉवर प्लांट विकसित करने की योजना है।

31 मार्च तक दी मोहलत

सरोना ट्रैंचिंग ग्राउंड में दबे कूड़े-करकट को बाहर निकालकर उसका वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन करने के लिए अनुबंधित एजेंसी को 31 मार्च तक समयसीमा दी गई है। एजेंसी ने इस कार्य के लिए संसाधन बढ़ाए हैं। उम्मीद है, समय रहते कार्य पूरा कर लिया जाएगा। साइट क्लीयर होते ही इस क्षेत्र में खेल मैदान और लोगों की सेहतमंदी के लिए बगीचा विकसित करने की योजना है।

- मीनल चौबे, *महापौर, ननि*

कचरा अलग करने लगाई 2 हाईटेक पॉवर स्क्रीन मशीनें

सरोना स्थित नगर निगम की पुरानी लैंडफिल साइट पर सालों से दबे कूड़े को निकालने 8 पोकलेन मशीनें लगाई गई हैं। इसके बाद इस कचरे को तीन अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए स्पॉट पर अनुबंधित एजेंसी ने 2 हाईटेक पॉवर स्क्रीन मशीन भी लगाई है। ये मशीनें रोजाना 3 से 4 हजार टन कचरा अलग-अलग हिस्सों में बांटकर अलग करने का कार्य कर रही हैं। डंपिंग साइट से निकाले गए कचरे का एक हिस्सा बड़ी-बड़ि प्लास्टिक झिल्लियों या डिस्पोजल एवं टायर के रूप में है, जिसे छंटाई के बाद सीमेंट कंपनी में ईंधन के लिए भेजा जा रहा है। दूसरी तरह का हिस्सा छोटे-छोटे टुकड़ों वाला कचरा होता है जिसमें मिट्टी, ईट-पत्थर, कपड़े व अन्य तरह की चीजें शामिल हैं, इसका उपयोग जमीन को समतल करने और सड़क निर्माण में एजेंसी कर रही है। छंटाई के बाद निकाला गया तीसरे प्रकार का कचरा बारीक मिट्टी या बुरादे के रूप में निकल रहा है, यह एक तरह से खाद का रूप है, इसे ठेका एजेंसी बेच रही है। खाली होने वाले जमीन एक हिस्से पर ऑक्सीजोन विकसित कर हरियाली से आच्छादित करने की योजना है।

छंटाई की प्रक्रिया इस तरह से

कचरा स्थिरीकरण : सरोना साइट पर सालों से दबे कूड़े को पोकलेन मशीन से निकालने के बाद इसकी छंटाई की प्रक्रिया शुरू होती है। जिसमें पहला प्रोसेस कचरा स्थिरीकरण का है। इसमें सबसे पहले पुराने कचरे के ढेर पर माइक्रो बैक्टीरियल घोल का छिड़काव करते हैं, जिससे कचरे की दुर्गंध कम होती है और हानिकारक गैस निकलनी बंद हो जाती है।

खुदाई कर कूड़ा को ढेरी बनाकर सुखाना : डंपिंग साइट पर जमा कूड़े को मशीनों से खुदाई करने के बाद उसे फैलाया जा रहा है, ताकि उसमें मौजूद नमी में कमी आ सके। इसे ढेरी के रूप में रखकर सुखाने का काम एजेंसी साइट पर कर रही है।

ट्रामेल मशीन से छंटाई : सूखे कचरे को अलग-अलग आकार की छलनी वाली मशीनों में डाला जाता है और मुख्य रूप से तीन प्रकार की छंटाई की जा रही है। इसके बाद इसकी री-साइकिलिंग की प्रक्रिया की जा रही है।

डेढ़ गुना ज्यादा कचरा निकलने का अनुमान : नगर निगम के स्वच्छता विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, सरोना ट्रैंचिंग ग्राउंड में शुरूआत में 450 लाख मीट्रिक टन कूड़ा दबे रहने का अनुमान लगाकर ठेका दिया गया, पर टॉप लेवल से बाटम लेवल तक खुदाई के दौरान स्पॉट पर डेढ़ गुना ज्यादा कूड़ा निकलने का अनुमान है, यानी ज्यादा गहराई तक कूड़ा दबा हुआ है। कार्य पूरा होने के बाद इसका एक बार फिर से आकलन किया जाएगा।

राइज ऑफ जीएसटी ट्रिब्यूनल इन छत्तीसगढ़ पर सेमीनार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- वित्तमंत्री ओपी चौधरी समेत न्यायमूर्ति और दिग्गज कारोबारी हुए शामिल

छत्तीसगढ़ में जीएसटी ट्रिब्यूनल के उदय को अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिसाद मिला है। कार्यक्रम में सभागार पूर्ण रूप से भरा रहा, जो वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण से जुड़े विषयों पर बढ़ती रुचि और महत्व को दर्शाता है। उद्घाटन सत्र को वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने संबोधित किया, जिन्होंने कर सुधारों, विवाद समाधान तंत्र तथा राज्य में विकसित हो रहे जीएसटी ढांचे पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। कार्यक्रम में उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधि, नीति निर्माता, कर विशेषज्ञ तथा प्रमुख हितधारक शामिल हुए, जिससे सार्थक संवाद को बढ़ावा मिला और उद्योग तथा सरकार के बीच सहयोग मजबूत हुआ। कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा तथा जीएसटी अपीलीय अधिकरण नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डॉ. संजय कुमार मिश्रा शामिल रहे। तकनीकी सत्र में नवगठित जीएसटी अपीलीय अधिकरण के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला गया, जिसमें इसके अधिकार क्षेत्र, कार्यप्रणाली तथा जीएसटी के अंतर्गत विवाद समाधान को सुदृढ़ बनाने में इसकी भूमिका पर चर्चा की गई।

ये अतिथि हुए शामिल

उद्घाटन सत्र में सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य कार्यालय की उप निदेशक श्वेता सोंगेन, सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के उपाध्यक्ष और एवं श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक बजरंग गोयल, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डॉ. संजय कुमार मिश्रा, अध्यक्ष, जीएसटी अपीलीय अधिकरण, नई दिल्ली, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा, न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली, ओपी चौधरी, वित्त मंत्री, संजय जैन, अध्यक्ष, सीआईआई छत्तीसगढ़ राज्य परिषद एवं प्रबंध निदेशक, आरएसवी एक्सिम प्राइवेट लिमिटेड और भावेश मित्तल, संयोजक, सीआईआई छत्तीसगढ़ वित्त एवं कराधान पैनल एवं पार्टनर, एचएनए एंड कंपनी एलएलपी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

निधन

सुरजीत कौर अहलूवालिया

रायपुर। प्रियदर्शनी नगर निवासी सुरजीत कौर अहलूवालिया (65) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार देवेंद्र नगर मुक्तिधाम में किया गया। वे स्व. गुरमीत सिंह अहलूवालिया की पत्नी और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की अधिकारी राशि ओबेरॉय, असीम अहलूवालिया की माता एवं स्व. जशवंत सिंह गुरुदत्ता की पुत्री थीं।

ईश्वर ध्रुव

रायपुर। भाठागांव निवासी ईश्वर ध्रुव का 8 फरवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भाठागांव मुक्तिधाम में किया गया। वे जय सिंग ध्रुव के पिता थे।

नवीन कुमार शर्मा

रायपुर। रोहिणीपुरम निवासी नवीन कुमार शर्मा नेवनारा वाले का 7 फरवरी को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे विजय शर्मा, स्व. अजय शर्मा के बड़े भाई और नैतिक शर्मा के पिता एवं सुरेश, महेंद्र व गजेंद्र शर्मा के भतीजे थे।

लेटलतीफी से मिलेगी मुक्ति, बिलासपुर-झारसुगुड़ा के बीच 175 किमी तक चौथी रेललाइन बनकर तैयार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- विभिन्न खंडों में भी अब रफ्तार में नहीं लगेगा ब्रेक

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में रेललाइन की संख्या बढ़ाने का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है। वर्तमान में पटरियों पर दौड़ रही एक्सप्रेस ट्रेनों की रफ्तार प्रतिघंटे 110 से 120 किमी के बीच है। वहीं वंदेभारत एक्सप्रेस 130 किमी की रफ्तार से चल सकती है, लेकिन जोन में रेललाइन की संख्या कुछ जगहों पर अब भी दो और तीन है। इस वजह से रफ्तार नियमित रूप से एक-सी नहीं रह पाती है, जिन जगहों पर चौथी लाइन का काम पूरा हो चुका है, वहां ट्रेनें अपनी निर्धारित गति पर चलती हैं।

ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए रेलवे बोर्ड लगातार कार्य कर रहा है। बता दें कि बिलासपुर-नागपुर रेलखंड पर बिलासपुर से गोंदिया के बीच विभिन्न खंडों में चौथी रेललाइन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। इस कार्य के पूर्ण होने से ट्रेन एक-सी गति से दौड़ेगी। वर्तमान में विभिन्न खंडों में लाइन कम होने से रफ्तार धीमी करनी पड़ती है।

इस वर्ष बिछ जाएगी 206 किमी तक चौथी लाइन

बिलासपुर से झारसुगुड़ा के बीच वर्तमान में 175 किलोमीटर तक चौथी लाइन के लिए पटरियां बिछाने का कार्य पूरा हो चुका है। इस वर्ष तक कुल 206 किलोमीटर तक पटरियां बिछ जाएंगी। इसके बाद इस रूट पर ट्रेनों की रफ्तार प्रभावित नहीं होगी। बता दें कि 2,135.34 करोड़ की लागत से इस परियोजना को पूरा किया जा रहा है। रेललाइन बढ़ने से ट्रेनों की संख्या में भी इजाफा होगा। छत्तीसगढ़ राज्य में रेल अधोसंरचना के विस्तार के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए राज्य को 7,470 करोड़ का बजट अनुदान प्रदान किया गया है। अब कार्य में फिर से तेजी आएगी।

छग में 51,080 करोड़ की लागत की रेल परियोजना का कार्य

वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में 51,080 करोड़ की लागत की रेल परियोजनाएं विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। दल्लीराजहरा–रावघाट नई रेललाइन परियोजना, जिसकी कुल लंबाई 95 किमी एवं लागत 16,275.56 करोड़ है, के अंतर्गत 77.35 किमी नई रेललाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। राज्य में खरसिया-नवा रायपुर–परमालकसा नई रेललाइन परियोजना भी प्रगति पर है, जिसकी कुल लंबाई 278 किमी तथा अनुमानित लागत 7,854 करोड़ है। सरदेगा–भालूमाड़ा नई रेललाइन परियोजना, जिसकी लंबाई 37.24 किमी एवं लागत 1,282 करोड़ है, क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ करने के साथ-साथ खनिज परिवहन को अधिक सुगम बनाएगी। रावघाट–जगदलपुर नई रेललाइन परियोजना, जिसकी कुल लंबाई 140 किमी तथा लागत 3,513 करोड़ है, बस्तर अंचल को रेल नेटवर्क से जोड़ते हुए क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगी।

शिक्षा में सुलगी आग ....

आग लगने की किसी प्रकार की कोई सूचना नहीं आई है। संबंधित थाने से संपर्क करने पर पुलिस अफसरों ने भी आबकारी भवन में किसी तरह से आग लगने की सूचना मिलने की जानकारी से इनकार किया है। आग के कारण जानने आबकारी अफसरों से संपर्क करने की कोशिश की गई, पर अफसरों ने कॉल रिसीव नहीं किया। ***तीन से चार सुरक्षा गार्ड ड्यूटी पर तैनात रहते हैं :*** दिन के साथ रात के समय तीन से चार सुरक्षा गार्ड आबकारी भवन की सुरक्षा में तैनात रहते हैं। ऐसे में सवाल उठता है रिकार्ड रूम में आग लगने की जानकारी सुरक्षा में तैनात कर्मियों को कैसे नहीं मिली। बताया जा रहा है रिकार्ड रूम के अंदर से धुंआ निकलने पर सुरक्षा कर्मियों को आग लगने की जानकारी मिली। ***मौके पर दो दमकल गाड़ी पहुंचने की बात सामने आ रही :*** अलग-अलग सोर्स के अनुसार आग बुझाने मौके पर दो दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची थी, जबकि फायर ब्रिगेड के जिम्मेदार अधिकारी भवन में आग लगने की जानकारी होने की बात से इनकार कर रहे हैं। अगर आग को भी अपने स्तर पर काबू पा लिया गया फिर भी इसकी सूचना थाने में देना जरूरी है, पर थाने तक को आबकारी भवन में आग लगने की सूचना तक नहीं है।

चलती कार में ....

मिल रही है। तेलीबांधा मार्ग पर कार में आग लगने की वजह का पता नहीं चल पाई है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार, वाहन झारखंड पासिंग का है। घटना में किसी भी व्यक्ति के

पेज 09 के शेष ...

हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है।

पंडरी में गर्भवती ....

से सेटअप होता है, मगर रायपुर जिले में कालीबाड़ी का अस्पताल जिला अस्पताल से अटैच है और वहां से डॉक्टर, नर्सिंग सहित अन्य स्टाफ की पोस्टिंग यहां की जाती है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि एमसीएच का सेटअप अलग होने के बाद कामकाज में और गति आएगी। यहां जरूरत के हिसाब से चिकित्सकीय स्टाफ के पद सृजित किए जाएंगे और सुविधाओं के हिसाब से उपकरणों की व्यवस्था होगी। एमसीएच का सेटअप अलग होने के बाद जिला अस्पताल पंडरी में भी गर्भवती महिलाओं को प्रसव की सुविधा मिल पाएगी। वहीं एमसीएच के पृथक सेटअप के बाद कालीबाड़ी में बाल्य रोग विभाग का संचालन भी होगा। अभी इस विभाग का संचालन पंडरी अस्पताल में किया जाता है।

सरगुजा और बस्तर ....

गर्मी बढ़ रही है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक, पिछले साल राज्य में ठंड काफी सीमित दिनों के लिए था। इस बार इसका सीजन काफी लंबा हुआ है और फरवरी के दूसरे पखवाड़े से मध्य इलाके में दिन में गर्मी धीरे-धीरे बढ़ने की संभावना है। रायपुर समेत मध्य हिस्से के स्टेशनों में फरवरी के अंतिम दिनों तक अधिकतम तापमान 35 से 37 डिग्री के बीच पहुंचता है और इस बार भी ऐसा ही होने की संभावना है। अभी पश्चिमी विक्षोभ के उतार-चढ़ाव की वजह से रात के तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव हो रहा है, मगर दिन का अधिकतम तापमान धीमी गति से चढ़ता जा रहा है। अभी बस्तर यानी जगदलपुर इलाके में ठंड का प्रभाव अच्छा है और सरगुजा में तो ठंड अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। दोनों हिस्सों के प्रमुख स्टेशनों में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया जा रहा है। दोनों हिस्सों में ठंड की मौजूदगी मार्च महीने के दूसरे पखवाड़े तक रहने की संभावना है, मगर फरवरी की गर्मी दूसरे पखवाड़े में शहरी हिस्सों में अपना असर दिखाएगी।

पुलिस कमिश्नरेट का ....

कि शासन पुलिस कमिश्नर कार्यालय के लिए गृहमंत्री के सिविल लाइंस स्थित पुराने बंगले को आवंटित कर सकता है। जिस नए पते पर पुलिस कमिश्नर कार्यालय शिफ्ट किए जाने की चर्चा है, वहां सीपी-एसीपी, एडीसीपी के अलावा तीन एसपी होंगे, जिनमें एक कमिश्नर कार्यालय के लिए, जबकि दो अन्य क्रमशः महिला अपराध और प्रोटोकॉल के लिए होंगे। इसके अतिरिक्त सभी शाखाएं जैसे डीएसबी, अकाउंट, सर्विस रिकॉर्ड्स सेक्शन और वेतन सेक्शन के लिए कार्यालय होगा।

36 विषयों के लिए .....

में एक हजार रुपए विश्वविद्यालय कोष में ऑनलाइन जमा कर उसकी रसीद संलग्न करना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी एक हजार रुपए का बैंक ड्राफ्ट भी रविवि के कुलसचिव के नाम से संलग्न कर सकते हैं।

रेडियोलॉजिस्ट कर रहे कैजुअल्टी, एनीस्थिसिया, पैथोलॉजी वालों को सीएमओ ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- पीजी के बाद अनुबंध सेवा, योग्यता का उपयोग नहीं करने का आरोप

मेडिकल की जांच मशीनों की पढ़ाई करने वाले रेडियोलॉजिस्टस को कैजुअल्टी और ऑपरेशन टेबल पर मरीज को बेहोश करने वाले एनीस्थिसिया विशेषज्ञों को जिला अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्रों सीएमओ ड्यूटी करनी पड़ी है। पीजी के बाद अनुबंध सेवा देने वाले चिकित्सा विशेषज्ञों में इसे लेकर असंतोष है और उनका तर्क है कि अनुबंध सेवा के दौरान उनकी विशेषज्ञता का उपयोग नहीं किया जा रहा है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में प्राथमिक उपचार की सुविधा मिलती है और ज्यादा से ज्यादा वहां सीजर प्रसव की सुविधा दी जाती है। जिला अस्पताल में मेडिसिन के अलावा छोटी-मोटी सामान्य सर्जरी की जाती है। ऐसे स्थानों पर एमडी-एमएस की पढ़ाई कर चुके डाक्टरों को अनुबंध सेवा के लिए पदस्थ किया जाना उनकी योग्यता का अवमूल्यन है। कुछ समय पर पीजी की पढ़ाई पूरी करने वाले डाक्टरों को बांड ड्यूटी के तहत विभिन्न जिलों में पदस्थ किया गया था। इनमें क्लीनिकल के साथ नॉन क्लीनिकल के विषय विशेषज्ञ थे। बांड पोस्टिंग के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला अस्पतालों में इनसे मेडिकल ऑफिसर की तरह काम लिया जा रहा है।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

संतोष जैन चैंबर के सलाहकार मनोनीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में संगठनात्मक विस्तार और अनुभवी नेतृत्व को प्राथमिकता देते हुए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। चैंबर के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने संस्था के वरिष्ठ सदस्य संतोष जैन को उनकी सक्रियता और अनुभव को देखते हुए "सलाहकार" के पद पर मनोनीत किया है। श्री जैन वर्तमान में उपाध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। संगठन के प्रति उनके समर्पण और व्यापारिक मुद्दों पर उनकी गहरी समझ को देखते हुए उन्हें पदोन्नत कर सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी सहित चैंबर परिवार ने उन्हें बधाई दी है। श्री थौरानी ने विश्वास जताया कि वर्ष 2025 से 2028 तक का उनका यह कार्यकाल संस्था के लिए उपलब्धियों से भरा होगा। उनके मार्गदर्शन से संगठन और अधिक सशक्त, एकजुट और प्रभावी बनेगा। इस अवसर पर चैंबर के कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, चैंबर कार्यालय प्रभारी दिलीप इसरानी, उपाध्यक्ष जितेंद्र शादीजा, महेंद्र अग्रवाल, भाठापारा से अमरजीत सिंह सलूजा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

झुग्गी बस्तियों में महिला शक्ति अभियान का शुभारंभ

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सामाजिक संस्था उत्कल महिला महामंच द्वारा एक माह 8 मार्च तक चलने वाली मिशन महिला शक्ति अभियान का शुभारंभ रविवार को त्रिमूर्ति नगर झुग्गी बस्ती से किया। अभियान का उद्देश्य राजधानी रायपुर की झुग्गी बस्तियों में महिलाओं को सशक्त, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाना है। मिशन महिला शक्ति अभियान की अध्यक्ष सावित्री जगत ने स्वयंसेविका बहनों के साथ पहुंचकर बस्ती की महिलाओं से जमीन पर बैठकर रचनात्मक संवाद किया। इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य झुग्गी बस्तियों की महिलाओं की आवाज को सीधे शासन-प्रशासन तक पहुंचाना, उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

सिंधी सामूहिक विवाह-जनेऊ और मुंडन संस्कार 12 को

रायपुर। संत बाबा गेलाराम साहब के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पूज्य गोदड़ीवाला दरबार देवपुरी एवं छत्तीसगढ़ जनरल सिंधी प्रदेश पंचायत की ओर से 12 फरवरी को निशुल्क सिंधी सामूहिक विवाह एवं जनेऊ-मुंडन संस्कार समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश एवं अन्य राज्यों से आने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवास, पंडाल, नास्ता एवं भंडारा, स्वास्थ्य शिविर, परिवहन की व्यवस्था के लिए दरबार के सेवादारी इंद्रलाल सचदेव, हरि इसरानी, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी, दिनेश दवानी आदि से चर्चा कर सेवा सौंपी गई। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पंचायत के पदाधिकारी हीरा मखीजा आदि बैठक में शामिल हुए।

पहली बार पॉवर कंपनी के 6 दफ्तरों में जनसुनवाई, फिर तय होगा नया टैरिफ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

प्रदेश भर के 65 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं को इस साल भी महंगी बिजली का झटका लगना तय है। पॉवर कंपनी ने 63 सौ करोड़ का घाटा बताते हुए कीमत बढ़ाने की याचिका लगाई है। नया टैरिफ तय करने से पहले छत्तीसगढ़ राज्य बिजली नियामक आयोग ने जनसुनवाई तय की है। पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के आधा दर्जन क्षेत्रीय कार्यालयों में भी 17 और 18 फरवरी को ऑनलाइन जनसुनवाई होगी। इसके बाद 19 और 20 फरवरी को आयोग के राजधानी के मुख्यालय में प्रदेश स्तर की जनसुनवाई होगी। इसी के बाद नया टैरिफ तय होगा।

बिजली नियामक आयोग के दफ्तर में 19 और 20 को होगी प्रदेश स्तर की जनसुनवाई

कहां कब होगी जनसुनवाई

पॉवर कंपनी के आधा दर्जन क्षेत्रीय कार्यालयों में दो दिनों तक जनसुनवाई होगी। उस क्षेत्र के या फिर किसी भी स्थान के उपभोक्ता क्षेत्रीय कार्यालय में जाकर जनसुनवाई में शामिल हो सकेंगे। जनसुनवाई में आने वालों के सुझावों को नियामक आयोग के अधिकारी ऑनलाइन देखेंगे और सुनेंगे। पहले दिन 17 फरवरी को सबसे पहले सुबह को 10.30 से 12.00 बजे तक दुर्ग, 12.00 से 1.30 बजे तक बिलासपुर और 3.00 से 4.30 बजे तक राजनांदगांव के क्षेत्रीय कार्यालय में जनसुनवाई होगी। 18 फरवरी को अंबिकापुर में 10.00 से 12.00 बजे तक, जगदलपुर में 12.00 से 1.30 बजे तक और रायगढ़ में 3.00 से 4.30 बजे तक जनसुनवाई होगी।

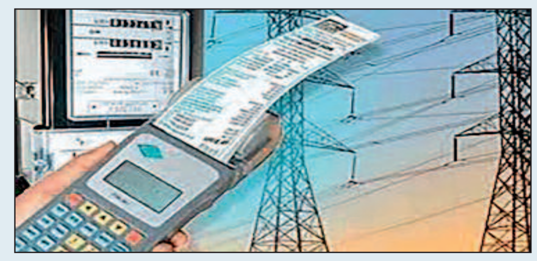

ज्यादा उपभोक्ताओं को मौका देने पहल

क्षेत्रीय कार्यालयों में जनसुनवाई का मकसद प्रदेश के हर वर्ग के ज्यादा से ज्यादा उपभोक्ताओं को अपनी बात रखने का मौका देना है।

एसपी शुक्ला, सचिव, बिजली नियामक आयोग

रायपुर में 19 और 20 को जनसुनवाई

19 फरवरी को नियामक आयोग के दफ्तर रायपुर में 12.00 से 1.30 तक कृषि एवं कृषि संबंधित कार्य, 2.30 से 4.00 बजे तक घरेलू, 4.00 से 5.30 बजे तक गैर घरेलू वर्ग के उपभोक्ताओं की जनसुनवाई होगी। 20 फरवरी को 12.00 से 1.30 तक स्थानीय निकाय, नगर निगम और ट्रेड यूनियन, 2.30 से 4.00 बजे तक निम्न दाब उद्योग 4.00 से 5.30 बजे तक समस्त उच्च दाब उपभोक्ताओं की जनसुनवाई होगी।

पॉवर कंपनी ने नए सत्र 2026-27 के लिए पूरा लेखा-जोखा बनाकर नियामक आयोग में नए टैरिफ के लिए याचिका दायर कर दी है।इस याचिका में बताया गया है कि प्रचलित दर से 26216 करोड़ का राजस्व मिलने की संभावना है। इसी के साथ साल भर का खर्च 25460 करोड़ बताया गया है। ऐसे में 756 करोड़ का फायदा होगा। लेकिन इसी के साथ पिछले सत्रों की अंतर की राशि का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि नए सत्र के फायदे को पुराने अंतर की राशि में कम करने के बाद भी 63 सौ करोड़ के राजस्व की और जरूरत होगी। नए सत्र में 26 सौ करोड़ का राजस्व मिलेगा, पुराना घाटा 63 सौ करोड़ है, ऐसे में नए सत्र के लिए कुल 32 हजार पांच सौ करोड़ से ज्यादा के राजस्व की जरूरत बताई गई है। इस जरूरत के हिसाब से ही नया टैरिफ तय करने की मांग रखी गई है।

व्यापम की इंजीनियरिंग भर्ती परीक्षा में पहुंचे 64%, यूपीएससी में उपस्थिति 42% ही

सीटेट, केंद्र व राज्य की इंजीनियरिंग भर्ती में उलझे अभ्यर्थी, यूपीएससी से व्यापम को अधिक महत्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा से अधिक उपस्थिति व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षा में रही। यूपीएससी इंजीनियरिंग सर्विस प्रारंभिक परीक्षा के लिए रायपुर में तीन केंद्र बनाए गए थे। दानी गर्ल्स स्कूल, पीजी उमाठे शांति नगर गर्ल्स स्कूल तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी शा स की य विद्यालय में यह परीक्षा आयोजित हुई। इसके लिए 1175 आवेदन यूपीएससी को प्राप्त हुए थे। इनमें से 499 अर्थात 42.46 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दिलाई। वहीं व्यापम द्वारा आयोजित सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा के लिए पंजीकृत अभ्यर्थियों की संख्या 7600 थी। इनमें से 64% परीक्षा दिलाने पहुंचे। व्यापम के ये आंकड़े पूरे राज्य के हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने यूपीएससी और व्यापम दोनों के लिए आवेदन भरा था, उनमें से अधिकतर ने व्यापम की परीक्षा को चुना।

महत्वपूर्ण विभागों में इंजीनियर के पदों पर नियुक्ति का ख्वाब देख रहे अभ्यर्थियों के साथ शिक्षक बनने के इच्छुक युवाओं के लिए भी रविवार का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। तीन महत्वपूर्ण परीक्षा रविवार को आयोजित की गई। इसमें सीबीएसई द्वारा आयोजित केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, यूपीएससी द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग सर्विस प्रारंभिक परीक्षा तथा व्यापम छग द्वारा आयोजित सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा शामिल रही। कई परीक्षार्थी ऐसे भी रहे, जो इन तीनों या इनमें से दो परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। आवेदन भी उन्होंने इन तीनों ही परीक्षाओं के लिए भरा था। एक ही दिन में तीनों परीक्षाएं होने से अभ्यर्थियों को कुछ परीक्षाएं छोड़नी पड़ी। गौरतलब है कि अभ्यर्थियों के एक समूह ने परीक्षा तिथि में बदलाव के लिए व्यापम को खत भी लिखा था, लेकिन कोई राहत अभ्यर्थियों को नहीं मिल सकी।

यूपीएससी से अधिक कड़ाई व्यापम में

तीनों ही संस्थानों द्वारा आयोजित परीक्षा में सघन जांच के बाद ही अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। मेटल डिटेक्टर से गुजरने के अलावा भौतिक जांच भी हुई। चूंकि तीनों ही परीक्षाएं बड़ी थी, इसलिए कई स्तरों पर जांच की गई। सुरक्षा को लेकर केंद्राध्यक्षों के लिए दिशा-निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए थे। हालांकि सर्वाधिक कड़ाई व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित परीक्षा में दिखाई दी। व्यापम के केंद्रों में ड्रेसकोड और रंगों को लेकर भी कड़ाई नजर आई। आधे घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार बंद कर दिए गए थे। हालांकि किसी तरह की विवाद की स्थिति निर्मित नहीं हुई।

एक ही दिन कई परीक्षाएं होने से कई अभ्यर्थियों को छोड़नी पड़ी परीक्षा

छात्रों से जुड़े सवालों की अधिकता

केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा में छात्रों की योग्यताएं, क्षमताओं और उनकी बीमारियों के संदर्भ में पूछा गया। स्वलीनता से जूझ रहे विद्यार्थी, प्रतिभाशाली बच्चों की विशेषताएं, विद्यार्थियों द्वारा स्वयं का त्रुटि विश्लेषण, खोज आधारित उपागम संबंधित सवाल पूछे गए। दो पालियों में सीबीएसई ने टेट आयोजित की थी। पहली पाली सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चलेगी, जबकि दूसरी पाली दोपहर 2:30 बजे से शाम 5:00 बजे तक संपन्न हुई। प्रथम पाली में प्राथमिक कक्षा में अध्यापन के इच्छुक कैंडिडेट्स जबकि दूसरी पाली में माध्यमिक कक्षा में अध्यापन के इच्छुक कैंडिडेट्स शामिल हुए।

डंकिनी व शंखिनी नदी से जुड़े सवाल

व्यापम ने सब इंजीनियर भर्ती परीक्षा नया रायपुर विकास प्राधिकरण के अंतर्गत रिक्त पदों के लिए आयोजित की थी। सामान्य ज्ञान, तर्कशक्ति, कंप्यूटर और गणित ज्ञान के अंतर्गत पूछे गए सवाल अत्यंत रोचक रहे। परीक्षा देकर निकले अभ्यर्थियों के अनुसार, राज्य से जुड़े गए सवाल अत्यंत सरल रहे। छग राज्य के आकांक्षी जिलों की संख्या, छग की सीमा कितने राज्यों की सीमा को स्पर्श करती है, पश्चिम से पूर्व की ओर जिलों का क्रम, राज्य के पर्वतों की ऊंचाई, डंकिनी व शंखिनी नदी जैसे सवाल भी प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, मेगस्थनीज यूनानी राजदूत का काल, अंग्रेजी कंपनी व भारतीयों के मध्य युद्ध, पैराग्राफ स्पेसिंग जैसे सवाल पूछे गए। वहीं यूपीएससी इंजीनियरिंग सेवा प्रारंभिक परीक्षा दो पालियों में (सुबह 9:30-11:30 और दोपहर 2-5 बजे) हुई। यह परीक्षा 500 अंकों की होगी। प्रथम पेपर सामान्य अध्ययन का और दूसरा पेपर इंजीनियरिंग विषय संबंधित रहा।

85 लाख की लागत से 4500 वर्गफीट में निर्मित केन्द्र

टाटीबंध में प्रदेश का पहला हाईटेक महतारी सदन तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विधायक राजेश मूणत की पहल पर टाटीबंध में प्रदेश का पहला सर्वसुविधा युक्त हाईटेक महतारी सदन बनकर तैयार है। करीबन 85 लाख रुपए की लागत से 4500 वर्गफीट क्षेत्र में निर्मित यह केन्द्र सरकारी आंगनबाड़ी की पारंपरिक तस्वीर को बदलकर कार्पोरेट स्तर की सुविधाएं प्रदान करेगा। लर्निंथ विथ फन के माध्यम से नौनिहालों के सर्वांगीण विकास का ग्रोथ सेंटर बनेगा। जिससे स्थानीय स्तर पर शिक्षा और स्वास्थ्य के मानकों में सुधार होगा। इसका उदघाटन 10 फरवरी को दोपहर 3 बजे विधायक राजेश मूणत के मुख्य आतिथ्य और महापौर मीनल चौबे और निगम सभापति सूर्यकांत राठौर की विशेष उपस्थिति में होगा। राजधानी के शहीद भगतसिंह वार्ड स्थित टाटीबंध क्षेत्र में हाइटेक महतारी सदन तैयार किया गया है। भव्य भवन की खासियत ये है कि यहां अलग से प्ले एरिया, अत्याधुनिक डाइनिंग एरिया, एक हाइजीनिक किचन, व्यवस्थित स्टोर रूम, डिजिटल लर्निंग के अनुकूल क्लास रूम और प्रशासनिक कार्यों के लिए ऑफिस रूम बनाया गया है।

- लर्निंग विथ फन के माध्यम से नौनिहालों के सर्वांगीण विकास का बनेगा ग्रोथ सेंटर

कई काम जारी

विधायक राजेश मूणत का कहना है कि गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों का बचपन सुविधाओं के अभाव में नहीं दबना चाहिए। इसी विजन के साथ टाटीबंध के इस केंद्र में फिसल पट्टी, झूला, कैरम, सांप-सीढ़ी, शतरंज, बास्केटबॉल, पिट-बॉल और स्विंग झूला की व्यवस्था की गई हैं।

पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने के बाद बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई में इजाफा

एक पखवाड़ा के भीतर सात सौ बदमाश जेल भेजे गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू होने से पुलिसिंग का सिस्टम बदला है, वहीं गुंडे-बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई में दो से ढाई गुना वृद्धि हुई है। पुलिस ढूंढ-ढूंढ कर गुंडे बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। रात के समय पुलिस ने जांच अभियान और तेज कर दिए हैं। राजधानी में अपराध का ग्रॉफ कम करने पुलिस प्राथमिकता के साथ चाकूबाजों पर नकेल कसने का काम कर रही है। यही कारण है कि राजधानी में पिछले एक पखवाड़े के भीतर चाकूबाजी की एक-दो घटनाएं ही हुई हैं।

पूर्व की पुलिसिंग में जिले में 32 थाना क्षेत्र शामिल थे, तब पुलिस हर महीने औसतन हर थाना क्षेत्र से हर माह छह-सात सौ बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा के साथ शांति भंग करने की आशंका की धारा सीआरपीसी के 107,16 के तहत कार्रवाई कर उन्हें जेल भेजने का काम करती थी। जब से रायपुर में पुलिस कमिश्नरेट प्रणाली लागू हुई है। राजधानी के 21 थानों को उत्तर, मध्य तथा पश्चिम जोन में बांटकर पुलिस बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। 15 दिनों के भीतर पुलिस ने 21 थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए सात सौ बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धारा के साथ शांति भंग करने की धारा के तहत कार्रवाई करते हुए जेल भेजने की कार्रवाई की है।

एक पखवाड़े में इतनी कार्रवाई

गली-मोहल्ले में गुंडागर्दी करने, चाकू लेकर धमकाने वाले जिन बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 151 जो बीएनएसएस की धारा 170 है, उसमें तथा सीआरपीसी की धारा 107,16 की जगह बीएनएसएस की धारा 163 में पुलिस ने जो कार्रवाई की है, वह 25 सितंबर से 7 फरवरी तक इतनी है। बीएनएसएस की धारा 170 में 324 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई, बीएनएसएस की धारा 163 में 350 बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई , आर्म्स एक्ट की धारा में 22 बदमाश दबोचे गए,एनडीपीएस के 12 प्रकरण दर्ज, गोगो पेपर रोल बेचने के 6 प्रकरण दर्ज किए गए।

व्यवस्था में सुधार के बाद कार्रवाई में और तेजी आएगी

पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद अफसरों को काम करने व्यवस्थित रूप से कार्यालय आवंटित नहीं किए गए हैं। इसके चलते पुरानी पुलिसिंग के तहत पुलिस कार्रवाई करते हुए बदमाशों को एडीएम, एसडीएम कोर्ट में पेश करने ले जाती है। पुलिस कमिश्नरेट के अफसरों के लिए व्यवस्थित कार्यालय के साथ अलग से उनके लिए कोर्ट की व्यवस्था हो जाए तो बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई में और तेजी जाएगी। बदमाशों को कोर्ट ले जाने पुलिस को जो समय लगता है, उसमें पुलिस का टाइम बचेगा। बीएनएस की धारा में शामिल बदमाशों को ही कोर्ट ले जाने की जरूरत पड़ेगी।

दर्जनभर से ज्यादा सार्वजनिक स्थानों पर बनाए जा रहे आकांक्षी शौचालय, 2 करोड़ खर्च होंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी में आम जनता को शहर के सार्वजनिक स्थलों पर सार्वजनिक प्रसाधन की सुविधा उपलब्ध कराने नगर निगम 13 अलग-अलग चिन्हांकित जगहों पर आकांक्षी शौचालय का निर्माण करा रहा है, जिसमें से 10 जगहों पर 10 सीटर और 3 स्थानों पर 6 सीटर आकांक्षी शौचालय बनाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए रायपुर नगर निगम को 2 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। स्वच्छ भारत मिशन-2 के तहत आकांक्षी शौचालय का निर्माण कराने ऑनलाइन टेंडर कर दो एजेंसियों के साथ अनुबंध किया गया है। शौचालय निर्माण का कार्य शुरू हो गया है। महानगर की तर्ज पर अब रायपुर में भी सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए नागरिक सुविधाओं का विस्तार करने 13 स्थानों पर सर्वसुविधा युक्त आकांक्षी शौचालय का निर्माण हो रहा है, जिसमें महिलाओं के लिए फीडिंग रूम, नैपकिन वेंडिंग मशीन, आटामैटिक सोप डिस्पेंसर के अलावा लोगों के लिए हाथ सुखाने वाली मशीन तथा सेंसरयुक्त यूरिनल स्पेस रहेगा। नगरीय प्रशासन विभाग के निर्देश पर नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन शाखा ने आकांक्षी शौचालय निर्माण के लिए शहर में दर्जनभर से ज्यादा लोकेशन चिन्हांकित कर कार्य के लिए वर्कआर्डर जारी कर दिया है।

इन स्थानों पर बन रहे आंकाक्षी शौचालय

- ठाकुर प्यारेलाल वार्ड - आमापारा स्थित मंगल बाजार
- शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड - कारी तालाब के पास आमापारा
- महामाया मंदिर वार्ड - दूधाधारी मठ के पास
- पं. ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड - रविवि परिसर स्थित बंजारी मंदिर के पास
- स्वामी विवेकानंद-सदर बाजार वार्ड - बूढ़ातालाब के पास
- सिविल लाइंस वार्ड - कटोरा तालाब के पास
- पं. भगवतीचरण शुक्ल वार्ड - सिविल लाइंस इलाका, कालीमाता मंदिर के समीप
- महामाया मंदिर वार्ड - पुरानी बस्ती महामाया मंदिर के पास
- डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड - मारवाड़ी श्मशानघाट के पास
- स्वामी आत्मानंद वार्ड - जीई रोड सेंट्रल लाइब्रेरी के पास
- रानी दुर्गावती वार्ड - राम मंदिर के पास
- नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड - जगन्नाथ मंदिर के पास
- लेफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित वार्ड - आदर्श नगर बैरन बाजार के पास

निजीकरण के विरोध में प्रदर्शन 12 को, बैठक आज

रायपुर। एआईपीईएफ के नेतृत्व में प्रस्तावित निजीकरण के विरोध में 12 फरवरी को एक दिवसीय प्रदर्शन के संदर्भ में प्रदर्शन के मोरल (नैतिक) पहलुओं पर चर्चा एवं आगामी कार्यवाही की रूपरेखा तय करने एक महत्वपूर्ण मंथन और चर्चा 9 फरवरी को दोपहर 1 बजे रखी गई है।

इस दौरान आंदोलन की दिशा, रणनीति, संगठनात्मक तैयारी तथा आगे की चरणबद्ध कार्यवाही पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। छग विद्युत मंडल अभियंता संघ के महासचिव ने बताया कि संगठन की एकता एवं आंदोलन को ध्यान में रखते हुए सभी सीईसी सदस्य एवं समस्त क्षेत्रीय सचिव समेत सदस्यों को शामिल होने आग्रह किया गया है।

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 16,500/
12 ज्योतिर्लिंग
स्पेशल ट्रेन से 29 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक
रिजर्वेशन कोच
18 मार्च, 08 अप्रैल, 13 मई 2026 (11 दिन)
7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
श्री द्वारिकाधीश, श्री द्वारिकाभेंट, श्री शिरडी सांई बाबा, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, घृनेश्वर ज्योतिर्लिंग, त्र्यंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, श्री शनि सिंघनापुर
राशिः-स्लीपर-16,500/-, 3 एसी- 27,500/-, 2 एसी- 32,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

आवश्यकता है
पेज मेकर - 04
क्वार्क एक्सप्रेस, पेजमेकिंग में दक्ष
अनुभवी को प्राथमिकता
इच्छुक व्यक्ति बायोडाटा के साथ संपर्क करें
एच.आर. विभाग संपर्क 97546 80445
हरिभूमि inh पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर

हरिभूमि आवश्यकता है inh 24x7
रायपुर, छत्तीसगढ़ स्थित सैटेलाइट न्यूज चैनल inh के लिए
पी सी आर
ऑनलाइन स्विचर,साउंड इंजीनियर
सी.जी.ऑपरेटर,पैनल प्रोड्यूसर
एम सी आर
ट्रांसमिशन ऑफिसर
ट्रेनीज़
विभिन्न विभागों में ट्रेनी कार्य हेतु फ्रेशर्स सम्पर्क करें
अनुभवी को प्राथमिकता
संपर्क करें
inhnewshr@gmail.com
9303492276
9522283349

02

पंचांगों की गणना में अंतर से तीज ....

लाइव इवेंट

37वीं फेडरेशन कप में पुरुषों में तमिलनाडु और महिलाओं में केरल बना चैंपियन

रायपुर। 37वीं फेडरेशन कप वॉलीबॉल चैंपियनशिप का समापन रविवार को बेहद रोमांचक मुकाबलों के साथ हुआ। पुरुष वर्ग में जहां तमिलनाडु ने खिताबी जीत दर्ज की, वहीं महिला वर्ग में केरल ने बाजी मारकर ट्रॉफी अपने नाम की। समापन समारोह में अतिथियों ने विजेता टीमों को पुरस्कृत किया। पुरुष वर्ग का फाइनल मुकाबला तमिलनाडु और केरल के बीच खेला गया। यह मैच दर्शकों के लिए सांसें थाम देने वाला रहा। शुरुआत में दोनों टीमें 1-1 सेट की बराबरी पर थीं और एक-एक अंक के लिए कड़ा संघर्ष देखने को मिला। अंततः तमिलनाडु ने अपने बेहतरीन खेल और संयम के दम पर केरल को पछाड़ते हुए चैंपियनशिप जीत ली।

महिला फाइनल: केरल ने रेलवे को 3-0 से रौंदा

महिला वर्ग के फाइनल में केरल का दबदबा रहा। केरल ने भारतीय रेलवे को सीधे सेटों में 3-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया। तीसरे स्थान के लिए इंडियन यूनिवर्सिटी ने हरियाणा को एकतरफा मुकाबले में 3-0 (25-21, 25-19, 25-16) से हराया। पुरुष वर्ग में तीसरे स्थान के लिए भारतीय रेलवे और पंजाब के बीच मुकाबला हुआ। रेलवे ने पंजाब को सीधे सेटों में 3-0 (25-22, 29-27, 25-23) से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। मैच समाप्ति के बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश वॉलीबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश गागड़ा ने विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए ट्रॉफी प्रदान की। इस अवसर पर रायपुर की महापौर मीनल चौबे भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली द्वारा 6 दिवसीय भारत रंग महोत्सव का हुआ यादगार समापन

भगवान बिरसा मुंडा के साहस-संघर्ष के आगे अंग्रेजों ने टेके घुटने, नाटक देख दर्शक हुए आंदोलित

भारत रंग महोत्सव के आखिरी दिन आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और उनके उलगुलान क्रांति पर आधारित नाटक बिरसा का मंचन हुआ। साइंस कॉलेज मैदान स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में रविवार शाम 7 बजे नाटक का मंचन हुआ। नाटक में अंग्रेजों और जमींदारों के अत्याचार के खिलाफ बिरसा मुंडा के संघर्षों, आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और आत्म-सम्मान की लड़ाई की कहानी को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों में सामाजिक चेतना और देशभक्ति की भावना जागृत किया।

रायपुर। नाटक में कलाकारों ने प्रभावपूर्ण अभिनय से बिरसा के संघर्ष और त्याग को सामने रखा, जिससे दर्शक भावुक और उद्वेलित होते रहे। इन नाटकों का उद्देश्य नई पीढ़ी को जनजाति के अमर नायक बिरसा के बलिदान, सामाजिक-धार्मिक सुधारों और अबुआ दिशुम-अबुआ राज के नारे की याद दिलाना था। नाटक मंचन के समापन संध्या पर मंचित नाटक को देखने दर्शकों का हुजूम उमड़ पड़ा। इसमें युवा, बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे सभी वर्ग के नाट्य प्रेमियों की उपस्थिति ने नाट्य समारोह को सफल बनाया।

कलाकारों की प्रभावशाली प्रस्तुति

नाटक का निर्देशन, कहानी, वेश-भूषा, संवाद और मंच प्रकाश संचालन बेहद प्रभावशाली रहा। वहीं, सभी कलाकारों में गजब की स्फूर्ति देखने को मिली। कलाकारों ने नाटक में अपने जीवंत अभिनय से दर्शकों को अचम्भित किया। सभी पात्रों का अभिनय दर्शकों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया। अंजोर कला मंच द्वारा प्रस्तुत व गिरमा दीवाकर का निर्देशित, घनश्याम साहू द्वारा लेखन और कलाकारों के अभिनय ने नाटक को सार्थक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा किया।

नाट्य कलाकारों को मिला मंच

6 दिवसीय भारतरंग महोत्सव में देश भर के नाट्य कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इससे छत्तीसगढ़ के युवा नाट्य कलाकारों व प्रेमियों को रंगमंच प्रस्तुति, लेखन, निर्देशन की तकनीकी बारीकियों को समझने का अवसर मिला। प्रसिद्ध रचनाकारों व नाट्यकारों की रचना व निर्देशन में प्रस्तुत नाटक को देखना नाट्य प्रेमियों के लिए यादगार बन गया।

सामाजिक चेतना और देशभक्ति की भावना जागृत

बिरसा अविस्मरणीय योद्धा ने दर्शकों को आंदोलित कर दिया। इस नाटक ने महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्ष और उनके नेतृत्व में हुए आंदोलन को प्रभावशाली ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने बिरसा के विचारों, उनके साहस और समाज में लाए गए बदलावों को जीवंत किया। दर्शकों ने इस प्रस्तुति को खूब सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सम्मानित किया।

डिप्रेशन लेवल को कम कर रही चॉकलेट वैलेंटाइन डे कपल ने विदेश से मंगाया

शहर में 20 लाख से अधिक आबादी में 70 फीसदी लोग खाते हैं चॉकलेट

रिश्तों के बीच आज चॉकलेट मिठास घोलेगी। शहर में दोस्तों और पार्टनर को पसंदीदा चॉकलेट गिफ्ट करने रविवार को जमकर बिक्री हुई है। 10 रुपए से लेकर 5 हजार कीमती ब्रांडेड कंपनियों की चॉकलेट लोगों ने खरीदी। पांच साल पहले शहर में केवल देश में बनने वाली चॉकलेट की बिक्री हुआ करती थी, लेकिन अब महानगरों की तर्ज पर बाजार में 18 प्रकार की चॉकलेट उपलब्ध हैं।

रायपुर। शौकीन लोगों के लिए अब विशेष ऑर्डर पर विदेश से भी मंगाया जा रहा है। डायबिटीज मरीजों के लिए शुगर फ्री और इम्यूनिटी बूस्टर चॉकलेट की मांग अब बढ़ गई है। चॉकलेट डे पर हरिभूमि ने शहर के थोक व्यापारियों से बातचीत की और लोगों की पसंद के साथ चॉकलेट की खपत जानने का प्रयास किया। थोक व्यापारी अंकुर अग्रवाल का कहना है, शहर में 20 लाख से अधिक आबादी में 70 फीसदी लोग चॉकलेट खाते हैं। हर साल यह अनुपात बढ़ता जा रहा है। हर रोज 2 लाख लोग चॉकलेट खा रहे हैं। एक महीने में करीब 90 लाख रुपए का बाजार केवल चॉकलेट का है। इसमें ब्रांडेड और नॉन ब्रांडेड चॉकलेट शामिल हैं। चॉकलेट व्यापारियों के अनुसार, हर साल 10 से 15 फीसदी खपत बढ़ती जा रही है। वेलेंटाइन डे के इतर दीपावली और क्रिसमस जैसे त्योहारों में लोग मिठाई गिफ्ट करने के बजाय हैंडमेड चॉकलेट गिफ्ट करने लगे हैं। इसके कारण भी चॉकलेट का बाजार बढ़ा है।

चॉकलेट डे आज

शुगर फ्री और इम्यूनिटी बूस्टर चॉकलेट की मांग

तुलसी और इलायची फ्लेवर में चॉकलेट

बाजार में ब्रांडेड कंपनी भी इम्यूनिटी बूस्टर जैसी चॉकलेट तैयार कर रही है। यही वजह है कि अब लोग स्वाद और अच्छी सेहत के लिए भी चॉकलेट खरीद रहे हैं, जिसमें तुलसी और इलायची फ्लेवर की चॉकलेट पहली पसंद बनी हुई है। चॉकलेट में जड़ी-बूटियों के पाउडर का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा शहर में चॉकलेट की बढ़ती डिमांड का एक बड़ा कारण ये है कि इसमें कई फ्लेवर आने लगे हैं। अब तक चॉकलेट का मतलब सिर्फ चॉकलेट और मिल्क टेस्ट वाले फ्लेवर ही होते थे, लेकिन इनकी जगह किशमिश फ्लेवर, बटर स्कॉच, आरेंज फ्लेवर, पाइनेप्पल, मैंगो, लीची, चेरी, रम चॉकलेट, हेजलनट चॉकलेट, पीनट बटर चॉकलेट सहित कई फ्लेवर बाजार में उपलब्ध हैं।

कपल्स खरीद रहे हार्ट शेप की चॉकलेट

चॉकलेट डे पर इस बार भी हार्ट शेप की चॉकलेट कपल्स गिफ्ट देने खरीद रहे हैं। ये चॉकलेट बाजार में 500 से एक हजार रुपए तक में उपलब्ध हैं। इसके अलावा गिफ्ट हैंपर की कीमत 3000 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक है। एक गिफ्ट शॉप के संचालक सुरेश ने बताया कि देशी के साथ विदेशी चॉकलेट की मांग अधिक है। डार्क हार्ड, पीनट बटर, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर की बिक्री अधिक है।

तनाव दूर करती है चॉकलेट

तनाव दूर करने डॉक्टर और डाइटिशियन लोगों को चॉकलेट खाने की सलाह दे रहे हैं। डाइटिशियन श्वेता जैन का कहना है कि अगर चॉकलेट रेगुलर खाएं तो ये हमारे डिप्रेशन लेवल को कम करती है। साथ ही इम्यूनिटी पॉवर बढ़ाती है और बच्चों में ब्रेन पॉवर इंप्रूव करता है। डार्क चॉकलेट में 11 प्रतिशत फाइबर, 65 प्रतिशत आयरन और 58 प्रतिशत मैग्नीशियम होता है।

धर्म लाइव

साधना में बैठकर भगवान से कनेक्ट होने का भाव ही सच्चा परमात्मा प्रेम

रायपुर। परमात्मा के प्रेम को अगर हम अनुभव करने लगे तो पता चलेगा कि जो प्रेम हम ढूंढ रहे, वह सच्चा प्रेम कही नहीं है। जब ईश्वरीय प्रेम और स्पर्श महसूस होता है, तब परमात्मा से प्रेम और सार्थक होता है। दुनिया में जब हम उस शक्ति से जुड़ना सीख जाते हैं तो उसके स्पर्श को महसूस करते हैं। जब साधना में बैठकर भगवान से कनेक्ट होने के भाव से जुड़ते हैं, तब हमें एक अलौकिक आनंद और तृप्ति के साथ परमात्मा का सच्चा प्रेम मिलने लगता है। यह बात विश्व जागृति मिशन रायपुर मंडल द्वारा रविवार को परसदा स्थित ब्रह्मलोक आश्रम में आयोजित आशीर्वचन में विश्व जागृति मिशन के संस्थापक सद्गुरु सुधांशु महाराज की सुपुत्री एवं मिशन की उपाध्यक्ष डॉ. अर्चिका दीदी ने कही। उन्होंने श्रद्धालुओं से कहा कि जब परमात्मा से प्रेम हो जाता है, तब हमें लगता है अब किसी चीज की जरूरत नहीं है।

ईश्वर की साधना से मिलता संतुष्टि का भाव

संस्था के मीडिया प्रभारी अश्वनी विग ने कहा कि जैसे हमारा कोई काम बनने या हमें धन प्राप्त होने से रिश्ते अच्छे हो जाते हैं। जो भोजन हम कर रहे हैं, वह हमारी पसंद का होने से तृप्ति मिलती है। कुछ उसी तरह की संतुष्टि का भाव ईश्वर की साधना से मिलता है। इसके बाद भी लोग दुनिया से कनेक्ट होने आधुनिक संसाधनों का उपयोग करते हैं, लेकिन परमात्मा से कनेक्ट होने के लिए नियमित साधना से दूरी बनाते हैं। जिससे कनेक्ट होने से जिंदगी सुधार सकती है, उस परमात्मा से जुड़ने के लिए हम समय नहीं निकाल पाते हैं। इस कड़ी में उन्होंने युवाओं और महिलाओं को आगाह किया कि समय रहते परमात्मा से प्रेम करना सीख लें, नहीं तो जीवन व्यर्थ जाएगा।

आराधना

व्रत असत्य से दूरी और सत्य से जुड़ने का संकल्प व विचार

रायपुर। व्रत के बिना कोई भी यज्ञ सफल नहीं होता है। शत पथ ब्राह्मण और ऋषि याज्ञवल्क्य में स्पष्ट किया है कि यज्ञ से ही मनुष्य को देवत्व की प्राप्ति होती है। देवताओं की कृपा पाने के लिए मनुष्य का व्रती होना अनिवार्य है। वर्तमान दौर में व्रत को केवल भोजन न करने तक सीमित किया गया है, जबकि वेद कहता है कि व्रत का वास्तविक अर्थ असत्य से सत्य की ओर चलने का संकल्प और अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का विचार है। यह बात वैदिक विद्वान आचार्य डॉ. अजय आर्य ने यजमानों को संबोधित करते हुए रविवार को कही। उन्होंने चार दिवसीय यजुर्वेद पारायण महायज्ञ की श्रृंखला में बताया कि सोमवार को यजुर्वेद के 1975 मंत्रों का उच्चारण करते हुए 24000 आहुतियों से महायज्ञ को पूर्ण करने के लिए दोपहर एक बजे महापूर्णाहुति की जाएगी। इसमें मुख्य यजमान शीतल पटेल एवं कौशल्या पटेल हैं। यज्ञ के ब्रह्मा एवं कर्मकांड विशेषज्ञ डॉ. कमल नारायण के मार्गदर्शन में वैदिक विधि से यह अनुष्ठान किया जा रहा है।

व्रत, यज्ञ और देवत्व का भाव जागृत करने दिया संदेश

आचार्य ने बताया कि 'कुछ लोग कहते हैं आज मेरा व्रत है, इसलिए चाय नहीं पीना है, लेकिन संवाद करूंगा।' व्रत अगर केवल पेट का हो और आचरण का न हो तो देवता भी सोचते होंगे कि यह डाइट है या व्रत। आचार्य ने सच्चा व्रती बनने, संयम, सत्य और सदाचार को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही यजुर्वेद में 1975 मंत्रों का जिक्र करते बताया कि यजुर्वेद में ईश्वर को सृष्टि के कण-कण में बसने का बोध कराता है। यजुर्वेद के मंत्रों द्वारा किया गया यज्ञ व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के कल्याण का माध्यम है। महायज्ञ में वैदिक सत्संग समिति के राजेंद्र अग्निहोत्री, राकेश दुबे, रवि, गायत्री सहित श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं।

इवेंट लाइव

तेरी पाजेब के ये घुंघरू बड़े नादां हैं इनसे कहो चुप रहें यूं ना ये शोर करें

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित जैतू साव मठ में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ हिंदी साहित्य मंडल के तत्वावधान में हुआ। काव्या गोष्ठी की शुरुआत कवयित्री आशा पाठक की पंक्ति 'धीरे-धीरे पैर रखो, कोई आहट न हो, तेरी पाजेब के ये घुंघरू बड़े नादा हैं, इनसे कहो चुप रहें यूं ना ये शोर करें, धीरे-धीरे चलना ताकि झनकार ना हो...' से हुई। इसके बाद राजेंद्र रायपुरी ने अपनी कविता 'ऋतु वसंत में देख सखी री, कली- कली मुस्काई, भौंरों की गुनगुन बगिया अब, पड़ने लगी' पढ़ी। मन्नू लाल यदु ने 'कठिन लड़ाई लड़ के पायेन भारत के आजादी, मंय धरती के बेटा देश मोर महतारी...लोहा मान लेइस दुश्मन मन, देखथे हक्का- बक्का, धन-धन में धरा नाम हे, जय-जय भारत माता...' पढ़ कर देशभक्ति की भावना से काव्य गोष्ठी को ओतप्रोत कर दिया। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता आचार्य अमरनाथ त्यागी ने की। वहीं, सुनील पांडे ने संचालन एवं गोपाल सोलंकी ने संयोजन किया। कवियों की रचना में पाजेब से स्नेहिल आग्रह, प्रकृति का अनुपम सौंदर्य, भारतमाता के प्रति अटूट श्रद्धा, सामाजिक चेतना का स्वर, अनुभव और नियति का द्वंद्व, युद्ध के विरुद्ध, मानवीय मर्म एवं वंदे मातरम का उद्घोष मुखर हुआ।

इन कवियों की रही उपस्थिति

काव्य गोष्ठी में कवि अंबर शुक्ला अंबरीश, डॉ. महेंद्र ठाकुर, नर्मदा प्रसाद विश्वकर्मा, डॉ. आशा पाठक, लतिका भावे, युक्ता राजश्री, तोरण दास मानिकपुरी, जगन्नाथ उरकुरे, राजेंद्र रायपुरी, कुमार जगदली, गोपाल सोलंकी, मन्नू लाल यदु 'नाथ' ने अपनी काव्य पाठ से रस भरा।

● विगत 8 से 10 सालों में हर पर्व दो दिन मनाने का बढ़ा चलन, ज्योतिषाचार्यों ने मामले लेकर दिए तथ्य संगत तर्क

पंचांगों की गणना में अंतर से तीज और त्योहार की तिथियों में भेद, सोशल मीडिया भी बड़ी वजह

'विगत 8 से 10 साल पहले तक मकर संक्रांति, रक्षाबंधन, भाईदूज, महाशिवरात्रि सहित हर तीज-त्योहार की तिथियों में समानता होती थी, अब अलग-अलग पंचांग घरों में रखे जाने लगे हैं। इनकी गणना में अंतर होता है, इससे हर पर्व को दो दिन मनाने का चलन बढ़ा है। इससे जिस दिन पर्व के लिए अवकाश मिल रहा, उसके दूसरे दिन उत्सव की परंपरा निभाई जाने लगी है। इसको लेकर जब शहर के विद्वानों और ज्योतिषाचार्यों से बात की गई तो उन्होंने तथ्य संगत तर्क दिए। उनका मत है कि सनातन धर्मानुरागियों के लिए ऋषिकेश से विद्वत परिषद द्वारा सभी तीज-त्योहारों की तिथि तय की जाती है, जो देशभर में सर्व मान्य होती है। अब सोशल मीडिया को भी इसके लिए बड़ी वजह के रूप में देखा जा रह है।'

रायपुर। शहर के ज्योतिषाचार्य डॉ. दत्तात्रेय होस्केरे ने इस संदर्भ में बताया कि पृथ्वी अपने अक्ष पर घूमने के साथ अपना स्थान बदलता है। दूसरी वजह यह है कि प्रातःकालीन गोचर में तिथियों का नहीं मिलना है। इसका बदलाव समाज में भी देखने को मिल रहा है। हर 29 हजार साल में तिथियों को लेकर भ्रम की स्थिति बनती है। अभी उदया तिथि गोचर में नहीं मिलना भी एक बड़ा कारण है। शिव की पूजा प्रदोष काल का होना जरूरी है। इससे इस बार महाशिवरात्रि 15 फरवरी को मिल रहा है। गणेश चतुर्थी में चंद्रोदय की महत्ता से जुड़े होने की वजह से रात में तिथियों का प्रभावी है या नहीं यह देखा जाता है। इसके चलते तीज-त्योहारों की मनाने की परंपरा में भेद की स्थिति बन रही है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म 82.2 डिग्री देशांतर यानी प्रयागराज और ऋषिकेश के विद्वत परिषद द्वारा घोषित की जाने वाली तिथियों का पालन करना श्रेष्ठकर होगा।

तिथियों की गणना में अंतर की बड़ी वजह यह भी..

ज्योतिषाचार्य डॉ. दत्तात्रेय होस्केरे ने बताया कि तिथियों को समझने में भेद के चलते पर्व को दो दिन मनाने का चलन देखने को मिल रहा है। इसे देखते हुए ऋषिकेश और प्रयाग राज से जारी होने वाली तिथि ही मान्य है। इसे दूसरे तरीके से ऐसे भी समझा जा सकता है कि तिथियों की गणना दो तरह से की जाती है। इसमें एक पृथ्वी की सतह को और दूसरा पृथ्वी के केन्द्र को आधार बनाकर तिथियों की गणना के लिए समय- काल का अवलोकन किया जाता है। इस वजह से भी तिथियों में अंतर देखने को मिल रहा है। इस तरह की स्थिति हर 29 हजार साल में कुछ वर्षों के लिए बनती है, संभवतः अभी तिथियों गणना में अंतर की बड़ी वजह यह भी है। इस तरह की समस्याओं से बचने के लिए विद्वत परिषद द्वारा घोषित तिथियों को मानने से भेद की स्थिति खत्म होगी। अभी लोग अलग-अलग पंचांगों में दिए गए समय और तिथियों को मान रहे हैं।

इसलिए बढ़ रहा है दो दिन पर्व मनाने का चलन

ज्योतिषाचार्य पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि वर्षों पहले तक ग्राम पुरोहित या कुल पुरोहित द्वारा बताई जाने वाली तिथियों के अनुसार पर्व मनाए जाते थे। इसमें पुरोहित स्मात नाम और वैष्णव नाम के लिए अलग-अलग तिथियां बताते थे। अभी लोग घरों में अलग-अलग विद्वानों द्वारा तैयार किए गए पंचांग भी रखने लगे हैं। इसमें आमतौर पर समय और गणना में अंतर की वजह से पर्वों एवं तिथियों में अंतर की स्थिति बन रही है। ऐसा इसलिए भी हो रहा है, क्योंकि संत-महंतों के लिए वैष्णव नाम तिथि मान्य होती है, जबकि गृहस्थ के लिए स्मात नाम को प्राथमिकता दी जाती है। अभी भेद की वजह सोशल मीडिया भी है, लोग वहां परोसी जाने वाली जानकारी को ही सर्वोपरि मानने लगे हैं, इससे तीज-त्योहार दो दिन मनाने का चलन बढ़ गया है।

पर्वों और तिथियों की घोषणा को ही मानना चाहिए

शंकराचार्य आश्रम बोरियाकला के प्रमुख एवं ज्योतिषाचार्य डॉ. स्वामी इन्दुभवानन्द तीर्थ महाराज ने बताया कि 72 साल में एक बार एनांश बढ़ता है। एक अक्षांश को लांघने में सूर्य को चार मिनट लगता है। इसके चलते पंचांग को तैयार करने में भी तिथियों की गणना में अंतर देखने को मिल रहा है। इस समस्या का समाधान लोगों को विद्वत परिषद ऋषिकेश और प्रयाग राज से जारी की जाने वाली पर्वों की घोषणा को ही मानना चाहिए, क्योंकि वहां से जारी होने वाली तिथियां ही सनातन धर्म में मान्य हैं। इसके अलावा अभी सोशल मीडिया पर परोसी जाने वाली जानकारी के कारण भी असमंजस की स्थिति बन रही है।

राजिम कुंभ सनातन परंपरा और सांस्कृतिक, आध्यात्मिक चेतना का महासंगम

रायपुर। छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर आयोजित हो रहे राजिम कुंभ सनातन संस्कृति, शाही स्नान परंपरा और छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक चेतना का महापर्व है। इस अवसर पर धर्म स्तंभ काउंसिल एवं राम जानकी मंदिर, नर्मदा कुण्ड निर्वाणी अखाड़ा की ओर से श्रद्धालुओं व क्षेत्रवासियों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। राम जानकी मंदिर, नर्मदा कुण्ड के महंत सुरेंद्र दास ने बताया कि राजिम कुंभ के दौरान निर्वाणी अखाड़ा के टेंट में क्षेत्रवासियों एवं दूर-दराज़ से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ठहराव, सेवा एवं मार्गदर्शन की व्यवस्था रहेगी। इसके साथ ही राम जानकी मंदिर नवागढ़, बाघुल स्थित भगवान कृष्ण मंदिर एवं रायपुर नर्मदा कुण्ड की ओर से धार्मिक निशान ध्वज लेकर महंत सुरेंद्र दास, डॉ. सौरव निर्वाणी राजिम कुंभ की ओर प्रस्थान करेंगे। महंत सुरेंद्र दास जी ने बताया कि राजिम कुंभ संगम की पावन भूमि पर आत्मशुद्धि, साधना और सनातन एकता का अनुपम अवसर है। यहां किया गया स्नान, जप, दान और सेवा अनंत पुण्य प्रदान करता है। धर्म स्तंभ काउंसिल की ओर से डॉ. सौरव निर्वाणी ने कहा कि राजिम कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की सनातन पहचान, सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। यह कुंभ समाज को धर्म, संस्कृति और सेवा के सूत्र में बांधने का कार्य करता है।

महापर्व को ऐतिहासिक बनाने की अपील

धर्म स्तंभ काउंसिल सभी श्रद्धालुओं से आह्वान करती है कि वे परिवार सहित राजिम कुंभ में सहभागिता करें, पुण्य लाभ अर्जित करें और सनातन परंपरा को सशक्त बनाएं। आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी राजिम कुंभ जैसे आयोजनों से जुड़े, ताकि हमारी आध्यात्मिक विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित और सशक्त रूप में पहुंचे। धर्म स्तंभ काउंसिल ने सभी साधु-संतों, सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं मातृशक्ति से राजिम कुंभ में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस महापर्व को ऐतिहासिक बनाने की अपील की है।

जैन समाज ने किया महामंत्र नवकार का सामूहिक जाप, 260 से अधिक श्रावक-श्राविकाएं हुए शामिल

रायपुर। जैन धर्म की आस्था, विश्वास और शक्ति के प्रतीक तथा कर्मों का नाश कर भवसागर से तारने वाले शाश्वत महामंत्र नवकार का सामूहिक जाप श्रद्धापूर्वक संपन्न हुआ। सकल जैन समाज द्वारा रविवार को पचपेड़ी नाका स्थित समरथ जैन भवन में यह भव्य आयोजन किया गया। रायपुर नवकार जाप ग्रुप और श्री समरथ जैन श्रावक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस 26वें नवकार जाप अनुष्ठान में प्रातः 9 से 9:48 बजे तक नवकार के 9 पदों का विशेष सुमिरन किया गया। वीरेंद्र डागा ने बताया कि इस आयोजन में 260 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें बच्चों की विशेष सहभागिता उल्लेखनीय रही। जाप के समापन पर श्री समरथ श्रावक संघ व समरथ महिला मंडल का बहुमान किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से आशीष जैन, राजेन्द्र पारख, वीरेंद्र डागा, धनराज गोलछा, संतोष चोपड़ा, प्रदीप सिंघी, नूतन गोलछा, प्रकाश नाहटा, जैकी संचेती, अभय दुगड़, दीपक कवाड़, कमलेश ललवानी और निकुंज साचला उपस्थित रहे।

यूं तो मैं कृष्ण-सा काला और तुम राधा-सी गोरी...काव्य सम्मेलन में प्रेम रस बिखेरी

नवरंग काव्य मंच द्वारा काव्य सम्मेलन, पुस्तक विमोचन और सम्मान समारोह का आयोजन

रायपुर। यूं तो मैं कृष्ण सा कला और तुम राधा सी गोरी...वो खत में बुलाना वो बागों में मिलने, पकड़ा हाथ तो घबरा गई थी तुम..जैसी प्रेम रस से श्रोता काव्य सम्मेलन में सराबोर होते दिखे। रविवार को सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में शाम 5 बजे 'प्रीत तुम्हारी मधुशाला' नाम से संगीतमय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन नवरंग काव्य मंच द्वारा किया गया। सम्मेलन में प्रदेश भर से पहुंचे युवा व वरिष्ठ कवियों ने काव्य पाठ से प्रेम, हास्य, वीर रस से काव्य प्रेमियों को बांधे रखा। काव्य पाठ की शुरुआत युवा कवि मुकेश राठौर ने अपनी पंक्ति 'धड़कने मौन थी, फिर भी गजब सी बात होता रहा...' से की। रवि शर्मा ने 'सोचा इजहार तुम्हें कर दूं...और राजेश जैन राही ने अपने प्रणय पथ की संगीतमय काव्य प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। साथ ही राही की पुस्तक प्रीत तुम्हारी प्रणय पथ का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर कवि डॉ. माणिक विश्वकर्मा नवरंग, प्रियंका अग्रवाल, अंजनी अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में कवि व काव्य प्रेमी उपस्थित रहे। काव्य मंच का संचालन कवयित्री उर्मिला देवी उर्मि द्वारा किया गया।

कवियों व संस्थाओं का किया सम्मान

नवरंग काव्य रत्न सम्मान राजनांदगांव से पहुंची कवयित्री आशा राय, युवा प्रतिभा सम्मान गायिका अंजनी अग्रवाल, युवा रत्न सम्मान संगीतकार तिलक भोगल, चित्रकार सुरभि झंवर, बांसुरी वादक धनंजय साहू को दिया गया। वहीं, बुजुर्गों की चौपाल समाजसेवी युवा संस्था, डू कर्मा फाउंडेशन, खुशियां बांटे अभियान जैसी सामाजिक संस्थाओं का सम्मान किया गया।

शहर की प्रतिभाओं को पहचान देने मरीन ड्राइव ओपन मंच पर कला केंद्र की अनुपम पहल

कार्नर न्यूज

टैलेंट जक्शन में कथक, वादन और गायन की अद्भुत प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

रायपुर। हार्मोनियम, तबला, वायलिन के संगीत पर अरपा पैरी के धार...गीत सुन दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। अवसर था कला केंद्र द्वारा रविवार को मरीन ड्राइव के ओपन मंच में आयोजित टैलेंट जंक्शन का। इस कार्यक्रम में शहर के ऐसे प्रतिभाओं को मंच दिया गया, जो कला के विविध विद्याओं में रुचि रखते हैं। इसके आयोजक टीम के सदस्य देव आशीष पटेल ने बताया कि कला केंद्र द्वारा 8 फरवरी से मरीन ड्राइव में टैलेंट जंक्शन की शुरुआत की गई है। इसे हर सप्ताह रविवार को आयोजित करने की योजना है। इसमें कला केंद्र में विविध विधा में प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षु कला उस्तादों सहित शहर के कला प्रतिभाओं को एक मंच और पहचान देने के उद्देश्य से टैलेंट जंक्शन ओपन मंच की पहल की गई है। इसमें प्रतिभागी सीधे मंच पर पहुंचकर अपना नाम व विधा दर्ज करा सकता है। इससे प्रतिभागी कलाकारों को स्वयं को अपने कला प्रतिभा को दर्शकों के समझ प्रदर्शित करने और अपनी कला को निखारने का अवसर मिलेगा। पहले ही दिन बड़ी संख्या में विविध विधा के प्रतिभागी अपने पैरेंट्स के साथ पहुंचकर टैलेंट जंक्शन में भाग लिया।

50 से अधिक प्रतिभागियों ने दी प्रस्तुति

टैलेंट जंक्शन में पहले दिन तबला, वायलिन, हार्मोनियम वादन विधा में प्रतिभागी लवली निषाद, भूपेश निषाद, योगेश शिव, आशीष श्रीवास्तव ने तबला वादन कला का प्रदर्शन किया। वहीं, वादन सह गायन में अरुणिमा शर्मा, गायन में शंकर सिंह ठाकुर, रसनी साहू, जितेंद्र सिंह, अनिष्का गर्ग, महेश कुमार ने भाग लिया। इसके अलावा कथक में दीपांजलि पटेल, छबीका अग्रवाल, प्रिशा अग्रवाल, वंदना मिश्रा और वेस्टन में प्रियल उपाध्याय, विनिता सिंह ने मनमोहक प्रस्तुतियों से पेरेंट्स, जजेस का दिल जीता।

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और आकर्षक उपहार

टैलेंट जंक्शन में प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र और विजेता प्रतिभागियों को आकर्षक उपहार देकर मंच पर सम्मानित किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि प्रमाण पत्र और उपहार हर वर्ग के प्रतिभाओं को प्रेरित और उत्साहित करने के लिए दिया जा रहा है। पहले दिन बड़ी संख्या में प्रतिभागी कलाकारों ने अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन कर कार्यक्रम में रौनक बिखरी।

सिटी स्पोर्ट्स

कोरिया के विरुद्ध रायगढ़ की शानदार जीत

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर वर्ग प्लेट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे राउंड के तीसरे एवं अंतिम दिन रविवार को शानदार मुकाबले हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में कोरिया जिला के विरुद्ध रायगढ़ ने एक विकेट से जीत के साथ 6 अंक प्राप्त किया। बल्लेबाजी में कोरिया जिला टीम पहली पारी में 205 पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ पहली पारी 123 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कोरिया जिला टीम दूसरी पारी में 162 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में रायगढ़ ने दूसरी पारी में नौ विकेट पर 247 रन बनाए।

आरडीसीए रायपुर में टीम धमतरी ने कवर्धा के विरुद्ध 207 रन से जीत के साथ 6 अंक हासिल किए। बल्लेबाजी में धमतरी टीम पहली पारी में 412 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कवर्धा पहली पारी में 192 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में धमतरी ने 09 विकेट पर 145 रन के साथ पारी घोषित की। बल्लेबाजी में कवर्धा दूसरी पारी में 158 रन पर आउट हो गई। धमतरी में टीम कोरबा के विरुद्ध बस्तर ने दो विकेट से जीत के साथ 6 अंक प्राप्त किए। बल्लेबाजी में कोरबा पहली पारी 146 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में बस्तर पहली पारी 199 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में कोरबा दूसरी पारी 185 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में बस्तर ने दूसरी पारी 8 विकेट पर 134 रन बनाए। राजनांदगांव में नारायणपुर के विरुद्ध जशपुर ने एक पारी एवं 120 रन से जीत के साथ 7 अंक प्राप्त किए। बल्लेबाजी में नारायणपुर पहली पारी 143 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में जशपुर पहली पारी में 388 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में नारायणपुर दूसरी पारी 125 रन पर आउट हुई। न्यू ग्राउंड कांकेर में टीम महासमुंद ने कांकेर के विरुद्ध 8 रन से जीत के साथ 6 अंक प्राप्त किए। बल्लेबाजी में महासमुंद पहली पारी में 286 रन पर आउट हो गई। बल्लेबाजी में कांकेर पहली पारी में 163 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में महासमुंद दूसरी पारी 151 रन पर आउट हुई। बल्लेबाजी में कांकेर दूसरी पारी में 2 66 रन पर आउट हुई।

सालासर रैम्पस की शानदार जीत, शशांक मैन ऑफ द मैच

रायपुर। सालासर जेंट्स क्लब के द्वारा आयोजित सालासर क्रिकेट प्रीमियर लीग में रविवार को सालासर रैम्पस वर्सेस सालासर सुपर किंग्स के बीच में फाइनल मुकाबला हुआ। सालासर रैम्पस ने पहले बैटिंग करते हुए 99 रन 4 विकेट के नुकसान पर 10 ओवर में बनाएं। जिसमें सौविक के 24 रन, रतन भामरा ने 22 और शोएब के 21 रन के सहयोग से 99 रन पूरे हुए और जीत के लिए 100 रन का लक्ष्य सुपर किंग को दिया। सुपर किंग्स 82 रन ही बना पाई जिसमें कप्तान लाभांशु यादव ने 21 रन, वैभव शुक्ला ने 16 रन, ऋषभ ने 18 रन बनाए,सालासर रैम्पस के बॉलर शशांक साहू ने तीन विकेट लिए। प्रकाश, संतोष और शोएब ने एक-एक विकेट लिए और मैच 17 रनों से जीत लिया। इस मैच में मैन ऑफ द मैच शशांक साहू रहे। पुरस्कार वितरण में विजेता व उपविजेता को ट्रॉफी दी गई, मैन ऑफ़ द सीरीज संदीप बट्ट रहे, बेस्ट बैट्समैन संदीप भट्ट, बेस्ट बॉलर शशांक साहू, बेस्ट सिल्वर बैट्समैन सुनील श्रीवास्तव, बेस्ट सिल्वर बॉलर हरपाल सिंह भामरा रहे। पुरस्कार वितरण समारोह में जेंट्स क्लब के शालीन सत्संगी, हरपाल सिंह भामरा, पंकज सोनी, राकेश खुटेश्वर, मयंक यादव, प्रदीप अग्रवाल, सुनील दुलानी, हरप्रीत सिंह, आर के मूर्ति, महेश सिंह ठाकुर आदि उपस्थित थे।

खेलो इंडिया तीरंदाजी टूर्नामेंट का सफल आयोजन

रायपुर। संस्कार इंटरनेशनल स्कूल, राजनांदगांव में एक दिवसीय ओपन सिटी एनटीपीसी खेलो इंडिया तीरंदाजी टूर्नामेंट का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 जिलों से लगभग 250 तीरंदाज, कोच एवं मैनेजर शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ ओलंपियन राजेंद्र प्रसाद ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। उद्घाटन अवसर पर खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन का संदेश दिया गया। पूरे दिन चले मुकाबलों में खिलाड़ियों ने कौशल, एकाग्रता और तकनीकी दक्षता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

सर्दी और खांसी प्रतिरक्षा सूजन

शरीर में सूजन को कभी न करें अनदेखा हो सकता है गंभीर बीमारियों का खतरा

अक्सर शरीर में होने वाले सूजन को हम नजरअंदाज कर देते हैं। आपको जानना चाहिए कि शरीर में सूजन होने पर क्या-क्या लक्षण नजर आ सकते हैं, जिन्हें पहचानकर आप स्वस्थ रह सकते हैं। इंफ्लेमेशन या सूजन एक तरह की बीमारी है। आसान भाषा में कहें तो, यह शरीर के किसी भाग के अंदर होने वाली बढ़ती हुई सूजन और गर्मी की स्थिति होती है,जो आमतौर किसी इंफेक्शन,चोट या टिशू की समस्या के कारण हो सकती है। सूजन पर अगर ध्यान न दिया जाए, तो कई गंभीर बीमारियों का खतरा पैदा हो सकता है। कई बार शरीर में सूजन होती रहती है लेकिन, हमें इस बारे में जानकारी ही नहीं होती है। आपको शरीर में सूजन होने के लक्षण जरूर जानना चाहिए।

शरीर में सूजन के लक्षण

एक्सपर्ट बताती हैं कि अगर किसी व्यक्ति को बार-बार जोड़ों में दर्द और अकड़न परेशान की समस्या होती है, तो यह जॉइंट और मसल्स में सूजन का संकेत हो सकता है। वहीं, लोग अक्सर ब्लोटिंग से परेशान रहते हैं। कई उपायों के बाद भी ब्लोटिंग कम नहीं होती है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो यह पाचन तंत्र में इंफ्लेमेशन सूजन की तरफ इशारा करता है।

अगर आपकी त्वचा पर बार-बार रैशेज, एक्ने या जलन का अनुभव होता है, तो यह भी सूजन की तरफ इशारा करता है। आपको इसे नजरअंदाज करने से बचना चाहिए।

रेस्पिरेटरी सिस्टम में भी सूजन हो सकता है। अगर आपको सांस लेने में दिक्कत हो रही है या आप अचानक से सांस लेने में दिक्कत महसूस कर रहे हैं, तो यह अंदरुनी सूजन हो सकती है। इम्यून सिस्टम में भी सूजन हो सकती है। अगर आपको बार-बार सर्दी, जुकाम-खांसी और बुखार हो रहा है, तो ये सूजन का असर हो सकता है। इससे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। अगर आप भी इनमें से किसी भी लक्षण का अनुभव कर रहे हैं, तो उसे नजरअंदाज न करें और डॉक्टर से संपर्क करें

शरीर में सूजन क्यों होती है?

शरीर में सूजन कई कारणों से हो सकती है। इसमें ऑटोइम्यून विकार, खराब लाइफस्टाइल आदि शामिल हैं।

ऑटोइम्यून विकार

ऑटोइम्यून बीमारी में शरीर अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली और स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला करने लगती है। इस स्थिति में शरीर में कई बदलाव आने लगते हैं। शरीर में सूजन का एक मुख्य कारण ऑटोइम्यून विकार भी हो सकता है। जैसे ल्यूपस। ल्यूपस एक दीर्घकालीन ऑटोइम्यून बीमारी है, जो शरीर के स्वस्थ ऊतकों पर हमला करती है।

कुछ प्रकार के खाद्य पदार्थ

जो ऑटोइम्यून विकार वाले लोगों में सूजन पैदा कर सकते हैं या खराब कर सकते हैं। इन खाद्य पदार्थों में चीनी, रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, शराब और ट्रांस फैट शामिल हैं। इसलिए सूजन से बचने के लिए आपको इनसे दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

अधिक मात्रा में शराब का सेवन

अगर आप अधिक मात्रा में शराब का सेवन करते हैं, तो आपको अपने जीवन में कभी न कभी सूजन की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल, अधिक मात्रा में शराब पीने का असर हमारे लिवर पड़ता है। लिवर में थोड़ी सी भी गड़बड़ी शरीर में सूजन पैदा कर सकता है। इतना ही नहीं धूम्रपान करना भी सूजन का कारण बन सकता है।

हाई बॉडी मास इंडेक्स

हाई बॉडी मास इंडेक्स यानी मोटापा भी शरीर में सूजन का कारण बन सकता है। अगर आपका वजन बढ़ रहा है, तो आपको इसे कंट्रोल में करने की जरूरत होती है। क्योंकि एक समय के बाद आपको शरीर में सूजन महसूस हो सकती है।

एक्सरसाइज न करना

स्वस्थ रहने के लिए शारीरिक रूप से सक्रिय रहना बहुत जरूरी होता है। जो लोग एक्टिव नहीं होते हैं, उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

ब्रह्मविद फुटबॉल एकेडमी बनी काइडोस जूनियर प्रो लीग सीज़न वन की चैंपियन

रायपुर। रायपुर शहर काइडोस प्रीमियर प्रो लीग (अंडर-15) के एक शानदार फाइनल का गवाह बना। जिसमें ब्रह्मविद फुटबॉल एकेडमी लीग के पहले सीज़न की चैंपियन बनी। फाइनल में रायपुर की सभी आठ दमदार टीमों ने अपने जुनून और मुकाबले की भावना को दिखाया, जिसमें युवा प्रतिभाओं ने मैदान पर जलवा बिखेरा।

- युवा फुटबॉलरों ने मैदान में दिखाया अपना दमखम

फाइनल दिन के पहले मैच में, ब्रह्मविद ब्लू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रियल रायपुर को 2-0 से हराया, लीग टेबल में टॉप स्थान पक्का किया और अपनी चैंपियनशिप जीत की पुष्टि की। उनकी सफलता का श्रेय एक खतरनाक अटैकिंग जोड़ी को जाता है—वैभव, जो 12 गोल के साथ लीग के टॉप स्कोरर रहे, और दक्ष, जो 11 गोल के साथ उनके ठीक पीछे थे—दोनों ब्रह्मविद ब्लू टीम के थे।

रामा एफसी और दूसरी टीम के बीच दूसरे मैच में अभिनव ने चार गोल करके शानदार अटैकिंग खेल दिखाया, जिससे उनकी टीम ने यूनाइटेड रायपुर पर शानदार जीत हासिल की और फाइनल स्टैंडिंग में दूसरा स्थान पक्का किया।

तीसरे मुकाबले में, ब्रह्मविद रेड ने एलीट ब्लू को 2-0 से हराकर मात दी, जबकि दिन का आखिरी मैच एमर्स एफसी और एलिट रेड के बीच 1-1 से ड्रॉ रहा।

समापन समारोह में काइडोस स्पोर्ट्स के मालिक कंवर सिंह, रायपुर फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष और मुख्य अतिथि मुश्ताक अली प्रधान, ब्रह्मविद के निदेशक प्रत्युष पदाराहा और फुटबॉल के हेड कोच धर्मराज रावणन मौजूद थे। गणमान्य व्यक्तियों ने ₹लीग की फेयर प्ले टीम₹ ट्रॉफी प्रदान की, जिसमें प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता के साथ अनुशासन और खेल भावना का सम्मान किया गया।

ब्रह्मविद स्पोर्ट्स सेंटर में आयोजित काइडोज जूनियर प्रो लीग वीकेंड लीग 18 जनवरी को शुरू हुई और हर शनिवार और रविवार को आयोजित की गई, जिसने क्षेत्र में जमीनी स्तर के फुटबॉल और उभरती हुई अंडर-15 प्रतिभाओं के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया।

घर पर आसानी से बनाएं चॉकलेट

आप बेहद कम समय और सिर्फ 4 आसान चीजों की मदद से स्वादिष्ट चॉकलेट घर पर तैयार कर सकते हैं। ये रेसिपी न सिर्फ आसान है बल्कि हेल्दी भी है, क्योंकि इसमें आप अपनी पसंद के इंग्रेडिएंट्स इस्तेमाल कर सकते हैं। घर पर बनी चॉकलेट बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगी और यह आपके खास रिश्तों को और भी स्पेशल बना देगी।

चॉकलेट बनाने के लिए सबसे पहले एक नॉन-स्टिक पैन को धीमी आंच पर रखें और उसमें मक्खन डालकर हल्का पिघला लें। ध्यान रखें कि मक्खन जले नहीं। अब इसमें कंडेंस्ड मिल्क डालें और लगातार चलाते हुए अच्छे से मिलाएं, ताकि दोनों चीजें अच्छी तरह ब्लेंड हो जाएं। इसके बाद दूध पाउडर और कोको पाउडर को छानकर थोड़ा-थोड़ा करके मिश्रण में डालें और लगातार चलाते रहें, जिससे गांठ न बने।

कुछ मिनटों में यह मिश्रण गाढ़ा होकर पैन के किनारे छोड़ने लगेगा। जब चॉकलेट का मिश्रण पूरी तरह स्मूद और चमकदार हो जाए, तो गैस बंद कर दें। अब इस मिश्रण को पहले से ग्रीस की हुई प्लेट या ट्रे में समान रूप से फैलाएं और ठंडा होने के लिए रख दें। जब चॉकलेट अच्छी तरह जम जाए, तो इसे मनचाहे आकार में काट लें और चॉकलेट डे के मौके पर अपने खास लोगों को प्यार के साथ सर्व करें।

आयुष ने दूसरी पारी में भी जड़ा शतक बनाए शानदार नाबाद 164 रन

रायपुर। बी सी सी आई की ओर से मेंस अंडर-23 कर्नल सी के नायुडु ट्रॉफी 2025-26 का आयोजन 16 अक्टुबर 2025 से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का पांचवा मैच (06 फरवरी से 09 फरवरी) को शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में हिमाचल प्रदेश अंडर 23 टीम के विरुद्ध खेला गया। तीसरे दिन के खेल में रविवार को हिमाचल प्रदेश अंडर 23 ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 113.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 424 रन बनाए हैं। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज आयुष पांडेय ने शानदार शतक लगाते हुये 100 रन बनाये। उनके अतिरिक्त राहुल प्रधान ने 59 रन, मयंक वर्मा ने 57 रन तथा हर्ष साहु ने 52 रन तथा देव आदित्य सिंह ने 52 रन बनाये। हिमाचल प्रदेश अंडर 23 टीम की ओर से प्रशांत कुमार ने 4 विकेट तथा शुभम ने 2 विकेट लिए। हिमाचल प्रदेश ने अपनी पहली पारी में 57.3 ओवरों में 10 विकेट खोकर 183 रन बनाए। हिमाचल प्रदेश की ओर से अमनप्रीत सिंह ने 52 रन तथा इनेश महाजन ने 42 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से दीपक यादव ने 6 विकेट तथा वरुण सिंह भुई ने 3 विकेट लिए। छत्तीसगढ़ ने अपनी दूसरी पारी में 61.5 ओवरों में 4 विकेट खोकर 309 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज आयुष पांडे ने दूसरी पारी में भी शानदार शतक लगाते हुये 164 नाबाद रन बनाए। उनके अतिरिक्त मयंक वर्मा ने 68 रन तथा साहिल रजत शरीफ ने 32 रन बनाये। हिमाचल प्रदेश की ओर से दक्ष नारायण तथा ऋतिक कुमार ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। तीसरे दिन की समाप्ति तक 551 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुये हिमाचल प्रदेश ने अपनी दूसरी पारी में 16 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 63 रन बना लिये हैं। तीसरे दिन की समाप्ति तक हिमाचल प्रदेश 488 रनों से पीछे है।

छत्तीसगढ़ की जीत, कृति के शानदार 94 और शिल्पा के 51 रन

रायपुर। बी सी सी आई की ओर से सीनियर वुमेंस वनडे क्रिकेट टुर्नामेंट 2025-26 का आयोजन 06 फरवरी से किया जा रहा है। जिसमें छत्तीसगढ़ की टीम का दूसरा मैच रविवार को बड़ोदरा में उत्तराखंड टीम के विरुद्ध खेला गया। छत्तीसगढ़ ने उत्तराखंड को 4 विकेट से हराया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। उत्तराखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 234 रन बनाये। उत्तराखंड की ओर से राघवी ने 77 रन तथा इंद्राणी ने 43 रन बनाये। उनके अतिरिक्त कंचन ने 40 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ टीम की ओर से उर्मिला हरीना ने 3 विकेट तथा महक ने 2 विकेट लिए। 235 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 49.5 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 235 रन बनाकर मैच जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से कप्तान कृति गुप्ता ने नाबाद 94 रनों की शानदार पारी खेली। उनके अतिरिक्त शिल्पा साहु ने 51 रन तथा प्रीति यादव ने 35 रनों का योगदान दिया। उत्तराखंड की ओर से नीलम ने 3 तथा कनिका ने 2 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 4 विकेट से जीत लिया।

रायपुर बाजार
Contact For Advertisement
79871 19756
90981 38778

पटेल बोरवेल्स
मोटर बाइंडिंग किया जाता है
Kirloskar TEXMO C.R.I. PUMPS Pumping trust. Worldwide.
रिंग रोड नं. -1 संतोषी नगर चौक, बोरिया रोड रायपुर (छ.ग.)
9200003357 ★ 7999898750

पैसा चाहिए? हमारे पास आइए
(केवल बिजनेस लोन) एजेंट आमंत्रित
न्यूनतम कागजी कार्यवाही
5 हजार से 5 लाख तक बिजनेस लोन
आज लोन लीजिए 100 किश्तों में पटाइये
मोटवानी फायनेंस 93404-44755
गली नं. 03, सिंधी कॉलोनी, तेलीबांधा, रायपुर

उज्जवल इंटरप्राइजेस प्लाईवुड एंड इंटीरियर
मॉड्यूलर किचन
डोर एवं चौखट
asianpaints
हार्डवेयर टिम्बर
पता: स्टार नर्सरी के सामने, पुराना धमतरी रोड, रायपुर (छ.ग.), मो.: 7415799000

दुकान एक कूलर अनेक
कूलर हाउस
Mango बिना आवाज कूलर 7 स्पीड BLDC
आकाश जैन - 98261-64650,
रतन जैन - 98271-29211
सिटी कोटवाली, नगर निगम के पास, गांधी चौक, रायपुर
डक्टिंग कूलर, हॉल, वर्कशॉप, लॉन, मैरिज हॉल, किराया भंडार के लिये

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

क्रिस्टिन स्टीवर्ट ने अमेरिका छोड़ने का बनाया मन, ट्रंप शासन पर कसा तंज

फिल्म 'ट्विलाइट' फेम एक्ट्रेस क्रिस्टिन स्टीवर्ट हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा कि वह बतौर फिल्ममेकर, एक्ट्रेस अमेरिका में सहज महसूस नहीं करती हैं। साथ ही अमेरिका का राजनीतिक माहौल भी उनको पसंद नहीं है। वह ट्रंप प्रशासन और उसकी नीतियों पर भी खुलकर बात कर चुकी हैं। हालिया बातचीत में क्रिस्टिन स्टीवर्ट ने कहा कि वह अब अमेरिका में क्रिएटिव तौर पर सुरक्षित महसूस नहीं करती है। साथ ही वह अब यहां सहज महसूस नहीं करती हैं। जब एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या वह खुद को अमेरिका में रहते हुए आगे देखती हैं। इस पर उनका जवाब था, 'शायद नहीं।' वह आगे कहती हैं, 'मैं यहां आजादी से काम नहीं कर सकती हूं।' अपने इंटरव्यू में क्रिस्टिन स्टीवर्ट ने ट्रंप की नीतियों को लेकर नाराजगी जाहिर की। वह कहती हैं, 'ट्रंप के राज में सच्चाई पूरी तरह से टूट रही है।' इसी इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि अब अमेरिका में क्रिएटिव फ्रीडम खत्म हो रही है। इस बात का उन्हें दुख है। जहां तक अमेरिका छोड़कर दूसरी जगह बसने का सवाल है तो वह यूरोप जाना का मन बना रही हैं। दरअसल, जिस तरह की क्रिएटिव फ्रीडम क्रिस्टिन को चाहिए, वह उन्हें यूरोप में मिल सकती है। साथ ही वह काफी समय से इंडिपेंडेंट सिनेमा और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हैं।

टॉलीवुड

मद्रास हाई कोर्ट में अभिनेता विजय की याचिका खारिज, टैक्स पेनल्टी का मामला

मद्रास हाई कोर्ट ने टीवीके प्रमुख विजय की एक याचिका को खारिज कर दिया है। इस याचिका में अभिनेता ने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें उन्हें 1.50 करोड़ रुपये का जुर्माना देने का निर्देश दिया गया था। मद्रास हाई कोर्ट ने अभिनेता विजय की उस रिट याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के एक आदेश को चुनौती दी थी। दरअसल, इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने अभिनेता को 1.50 करोड़ रुपये का जुर्माना भरने का निर्देश दिया था। यह मामला 2015-16 के फाइनेंशियल ईयर का है। साल 2016-17 में विजय ने इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया था। अपनी संपत्ति का विवरण देते हुए 35,42,91,890 रुपए की संपत्ति घोषित की थी। अभिनेता पर आरोप लगा कि उन्होंने अपनी पूरी संपत्ति का ब्यौरा नहीं दिया है। असल संपत्ति छिपाने की कोशिश की। आयकर विभाग ने अभिनेता की संपत्ति की तुलना साल 2015 के दस्तावेजों से की, जिसमें पाया गया कि विजय ने कथित तौर पर फिल्म 'पुली' में अभिनय के लिए प्राप्त 15 करोड़ रुपए की आय को छुपाया था, जिसका खुलासा उन्होंने अपने आयकर रिटर्न में नहीं किया था। जिसके बाद साल 2022 में अभिनेता पर आयकर विभाग ने 1.50 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया।

विजय ने इनकम टैक्स के आदेश का पालन नहीं किया, जुर्माना नहीं भरा। इसके बजाय इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के जुर्माने वाले आदेश को चुनौती दी और साल 2022 में एक याचिका दायर की। जस्टिस सेंथिलकुमार राममूर्ति ने पिछले महीने इसी रिट याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। विजय थलापति साउथ फिल्मों का जाना-माना नाम हैं। वह अभिनय की दुनिया से निकलकर अब तमिलनाडु की राजनीति में सक्रिय हो गए हैं। पार्टी टीवीके के वह प्रमुख हैं। बतौर अभिनेता उनकी आखिरी फिल्म 'जन नायकन' है। इस फिल्म को लेकर भी विवाद चल रहा है, फिल्म अभी रिलीज नहीं हो सकी है। इसकी रिलीज का मामला कोर्ट में लंबित है।

भोजपुरी

'स्वर्ग से सुंदर' में धमाल मचाएगी प्रेम और रक्षा की जोड़ी, शूट शुरू

भोजपुरी फिल्म स्टार्स प्रेम सिंह और रक्षा गुप्ता जल्द ही फिल्म 'स्वर्ग से सुंदर' में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग शुरू हो गई है। इस फिल्म में ऐसी पारिवारिक और भावनात्मक कहानी दिखाई जाएगी, जो दर्शकों के दिलों को छू जाएगी। फिल्म को विजय यादव ने डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। जबकि कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है। 'स्वर्ग से सुंदर' को लेकर फिल्म की पूरी टीम बेहद एक्साइटेड है और पूरे जोश के साथ शूटिंग में जुट गई है। शूटिंग लोकेशन से तस्वीरें भी सामने आई हैं। 'स्वर्ग से सुंदर' की कास्ट की बात करें, तो इसमें प्रेम सिंह और रक्षा गुप्ता के अलावा अनिता रावत, रजनीश झा जी, मनोज द्विवेदी, भानु पांडे, चाहत राज, पूर्वी, लकीम अंसारी सहित कई अन्य कलाकार नजर आएंगे। सभी कलाकार अपने-अपने किरदारों को लेकर बेहद उत्साहित हैं और फिल्म को यादगार बनाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। फिल्म से जुड़े लोगों का मानना है कि 'स्वर्ग से सुंदर' एक ऐसी कहानी लेकर आ रही है, जो दर्शकों को मनोरंजन के साथ-साथ एक सकारात्मक संदेश भी देगी। मजबूत निर्देशन, भावनात्मक कहानी, दमदार एक्टिंग और म्यूजिक के साथ यह फिल्म आने वाले समय में दर्शकों के बीच खास पहचान बना सकती है। भोजपुरी सिनेमा प्रेमियों को अब इस फिल्म के रिलीज का बेसब्री से इंतजार रहेगा।

हीरे की चमक

“कीमती रत्नों और प्राकृतिक हीरों का संगम आशा, उम्मीद और खुशी की भावना लाता है। ज्वेलरी में अनोखे रंग कॉम्बिनेशन – प्राकृतिक हीरे और कीमती रत्नों का मेल विरोधाभास में सुंदरता का जश्न है। यह डिजाइन एक युवा और ज़्यादा एक्सपेरिमेंटल फैशन मूड को दिखाता है।

लाइफ स्टाइल

कोरियन ब्यूटी हैक्स से गायब हो सकते हैं आंखों के नीचे मौजूद काले घेरे

त्वचा की देखभाल करने के लिए हम कई तरह के प्रोडक्ट्स को खरीदते हैं। वहीं आंखों के नीचे की त्वचा चेहरे की त्वचा से कई ज्यादा नाजुक होती है और इसका ख्याल रखा जाना बेहद जरूरी होता है। बदलते लाइफस्टाइल के कारण हम देर रात जागते हैं तथा कई चीजों का स्ट्रेस भी लेते हैं, जिनके कारण डार्क सर्कल्स बढ़ जाते हैं।

आजकल ब्यूटी ट्रेंड्स में कोरियन ब्यूटी को काफी चलन में है। तो चलिए आज हम आपको बताने वाले हैं आंखों के नीचे मौजूद काले घेरे को कम करने के लिए कोरियन ब्यूटी हैक और बताएंगे इनसे त्वचा को मिलने वाले फायदे क्या हैं-

एलोवेरा जेल में विटामिन-ए, विटामिन-सी और विटामिन-बी होता है जो कि स्किन को भरपूर मात्रा में पोषण देता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण स्किन को हाइड्रेट करने में मदद करता है। एलोवेरा जेल के अंदर एंटी-बैक्टीरियल गुण होता है जो त्वचा को सभी तरह के स्किन इन्फेक्शन से बचाते हैं।

खीरे को आंखों के नीचे लगाने के क्या फायदे हैं?

खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स तत्व त्वचा को नमी प्रदान करने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद तत्व स्किन को डीप क्लीन करते हैं। खीरे में मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट तत्व चेहरे पर मौजूद पोर्स का साइज बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं।

आंखों के नीचे मौजूद काले घेरे को कम करने के लिए कोरियन हैक

सबसे पहले एलोवेरा के पौधे से जेल को निकालकर एक बाउल में डालें। इसके बाद इसमें एक खीरे को पीसकर डालें। इन दोनों को मिक्स करके उंगलियों की मदद से आंखों के नीचे लगा लें। लगभग 30 मिनट तक इसे आंखों के नीचे लगा रहने दें। इसके बाद कॉटन की मदद से इसे साफ कर लें। रोजाना रात को सोने से पहले इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपकी आंखों को कुलिंग इफेक्ट मिलेगा।

क्रश को करना इंप्रेस तो इस तरह से हों तैयार, सामने वाला हो जाएगा फिदा

साल के दूसरे महीने यानी कि फरवरी में वैलेंटाइन डे आता है, जो हर प्रेमी जोड़े के लिए काफी खास होता है। इस खास दिन को और खास बनाने के लिए कपल्स एक-दूसरे को तोहफा देते हैं, और उन्हें उनके खास होने का एहसास कराते हैं।

वैलेंटाइन डे तो 14 जनवरी को मनाया जाता है, लेकिन इस दिन से ठीक एक हफ्ते पहले यानी कि 7 फरवरी से वैलेंटाइन वीक की शुरुआत हो जाती है। वैलेंटाइन वीक का हर दिन बेहद खास होता है। इन सात दिनों में आप अपने पार्टनर को उनके स्पेशल होने का एहसास करा सकते हैं। खास तौर पर अगर आप किसी को पसंद करती हैं, तो वैलेंटाइन वीक शुरू होने से पहले अपने क्रश को इंप्रेस कर सकती हैं। बहुत सी लड़कियों को ये समझ नहीं आता कि वो क्रश के सामने कैसे जाएं, तो इसके लिए हम आपको आइडिया देने जा रहे हैं, ताकि क्रश के सामने भी आपका आत्मविश्वास बना रहे।

सादगी भरा लुक रखें

ज्यादातर लड़कों को लड़कियों का सादगी भरा लुक ही पसंद आता है। ऐसे में अपने क्रश के सामने हमेशा सादगी भरे लुक में ही जाएं। खासतौर पर अगर आप अपने क्रश के साथ पहली बार कहीं घूमने जा रही हैं, तो अपने लुक का खास ध्यान रखें।

भड़कीले कपड़ों से रहें दूर

ज्यादा भड़कीले कपड़े आपके लुक को खराब कर सकते हैं। ऐसे में कोशिश करें, कि ज्यादा चमक-धमक या चमकीले कपड़ों से दूर ही रहें। उनकी जगह आप थोड़ा सिंपल कपड़ों को चुन सकते हैं।

आरामदायक कपड़ों को दें प्राथमिकता

अपने क्रश के सामने कभी ऐसे कपड़े पहनकर ना जाएं, जिसे पहनकर आप खुद असहज हों। कपड़े हमेशा ऐसे होने चाहिए, जिसे पहनकर आपको किसी तरह की कोई परेशानी ना हो।

अपने व्यक्तित्व का रखें ध्यान

अगर आप अपने व्यक्तित्व के विपरीत जाकर किसी को इंप्रेस करने के लिए तैयार होंगी, तो ये आपके लिए भी खराब हो सकता है।

वैलेंटाइन डे डेट लुक के लिए परफेक्ट हैं लिपस्टिक के कुछ खास शेड्स

मेकअप तो हम सभी को पसंद होता है और इसके लिए कई प्रोडक्ट्स आजकल मार्केट में आपको देखने को मिल जाएंगे, लेकिन कितना ही मेकअप कर लिया जाये अगर लिपस्टिक का शेड सही नहीं चुना गया तो पूरा लुक आखिर में बिगड़ जाता है। वैलेंटाइन डे आने वाला है और इस दिन हम अपने पार्टनर के साथ डेट नाइट पर जाते ही हैं। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं लिपस्टिक के कुछ ऐसे शेड्स जो आपके वैलेंटाइन डे डेट लुक में जान डालने का काम करेंगे। साथ ही बताएंगे मेकअप से जुड़े कुछ आसान हैक्स-

रेड कलर लिपस्टिक

वैलेंटाइन डे लुक के लिए रेड कलर को सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। रेड कलर पैलेट में आपको कई शेड्स देखने को मिल जाएंगे, लेकिन रेड लिपस्टिक में आपको अपनी स्किन टोन के हिसाब से ब्राइट, डीप या वार्म कलर टोन को चुनना चाहिए। अगर आप रेड आउटफिट पहन रहे हैं तो रेड कलर की लिपस्टिक को अवॉयड ही करें। हालांकि ब्लैक

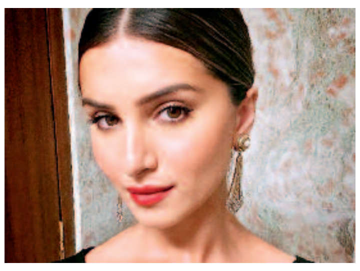

कलर की आउटफिट के साथ इस तरह के बोल्ड कलर लिप शेड बेस्ट रहेंगे।

न्यूड ब्राउन शेड लिपस्टिक

अगर आप न्यूट्रल या सटल कलर पैलेट में मेकअप लुक को रखना चाहती हैं तो इस तरह का न्यूड ब्राउन शेड लिप कलर आपके लिए बेस्ट रहेगा। इस कलर को आप लाइट से लेकर डार्क आउटफिट कलर के साथ कैरी कर सकती हैं। यह कलर फेयर से मीडियम स्किन टोन पर बेस्ट नजर आएगा। अगर आपका स्किन टोन डार्क है तो ब्राउन कलर पैलेट में आपको डार्क शेड्स भी मिल जाएंगे।

फैंसी लुक पाने के लिए परफेक्ट हैं सलवार-सूट के ये नए डिजाइंस, आप भी करें ट्राई

सूट को आकर्षक लुक देने के लिए आपको अपनी बॉडी के हिसाब से डिजाइन को चुनना चाहिए। इसके लिए आप सेलेब्रिटी लुक को री-क्रिएट कर सकती हैं। सलवार-सूट हम रोजाना पहनते हैं और आजकल तो इसमें आपको रेडीमेड में भी काफी वैरायटी देखने को मिल जाएगी। वहीं आजकल कम्फ़र्टेबल लुक पाने के लिए हम साड़ी और लहंगे के अलावा सलवार-कमीज में ही फैंसी लुक वाले डिजाइन को चुनना पसंद करते हैं। अपने लुक को खास बनाने के लिए केवल फैंसी डिजाइन ही नहीं बल्कि किसी भी आउटफिट की स्टाइलिंग भी सोच-समझकर करना बेहद जरूरी होता है। तो चलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं सलवार-सूट के कुछ खास डिजाइंस और बताएंगे इन्हें स्टाइल करने के आसान टिप्स ताकि आपका लुक आए नजर स्टाइलिश और अप-टू-डेट।

कलीदार सूट डिजाइन

अनारकली स्टाइल कलिदार सूट आपके लुक को काफी एलिगेंट लुक देने में मदद कर सकती हैं। रोहित बलाना द्वारा इस खूबसूरत फ्लोरल डिजाइन सूट को डिजाइन किया गया है। इस तरीके के फ्लोर लेंथ अनारकली सूट के साथ आप दुपट्टे के लिए प्लेन लेकिन लेंथ में लम्बे दुपट्टे को स्टाइल कर सकती हैं।

शरारा सूट डिजाइन

आजकल मिरर वर्क पैटर्न काफी चलन में है। डिजाइनर गोपी वैद द्वारा इस खूबसूरत शरारा-सूट को स्टाइल किया है। इस तरह का फैंसी लुक वाला सूट लुक आपको मार्केट में लगभग 3,000 रुपये में आसानी से मिल जाएगा।

कार्नर न्यूज

फैशन की दुनिया में हो रहे बदलाव को अपनाना ही समझदारी

कोट-ब्लेजर पहनने के स्मार्ट तरीके, शर्ट-टाई के बिना भी मिल सकता है सूट-बूट जैसा लुक

फॉर्मल और इनफॉर्मल के बीच बैलेंस करके चलना बहुत मुश्किल नहीं है। बस इसके लिए नए अंदाज में कोट-ब्लेजर, शर्ट, पैंट आदि को कैरी करना होगा। इसके बाद आपको एकदम नया लुक मिल जाएगा, जो कि देखने में वाकई दमदार होगा।

कई लड़के सूट-बूट इसलिए नहीं पहन पाते क्योंकि वे उतने फॉर्मल तरीके से ड्रेस को कैरी नहीं कर पाते। हालांकि, एकदम फॉर्मल दिखना इसके मुकाबले मुश्किल है। इसलिए बिना शर्ट और टाई के सूट-बूट टाइप का लुक चाहिए तो यहां पर दिए स्टाइलिंग टिप्स फॉलो कर सकते हैं।

टाई बांधना जरूरी नहीं?

फैशन की गलतफहमी कई बार हमें अच्छी ड्रेस पहनने से भी रोक देती है। हमें लगता है कि सूट-बूट के साथ टाई बांधना, फॉर्मल शर्ट, फॉर्मल शूज आदि पहनना जरूरी है। जबकि मॉडर्न दौर में ऐसा कोई हार्ड एंड फास्ट फैशन रूल नहीं है। हां, अच्छा दिखने के लिए शर्त है ड्रेस पहनने की, भले ही वो किसी के लिए कंफर्टेबल हो या न हो। हमें

इसी रेस से आगे निकलकर फॉर्मल और इनफॉर्मल के बीच वाली लाइन पर चलना है।

पोलो टी-शर्ट और ब्लेजर

आपके लिए भले ही यह नया हो लेकिन पोलो टी-शर्ट और ब्लेजर को पहनना सही साबित हो सकता है। आयुष्मान खुराना को देखकर इस बात को समझ सकते हैं। इसके साथ आप अपने पसंदीदा स्नीकर भी पहन सकते हैं और फॉर्मल शूज को थोड़े समय के लिए आराम दे सकते हैं।

अगर आप पोलो टी-शर्ट के साथ ब्लेजर पहनें तो टी-शर्ट के सभी बटन को बंद रखें। साथ ही आप ब्लेजर की स्लीव को ऊपर चढ़ा लें। इसके अलावा आप राउंट नेक टी-शर्ट के साथ भी इस तरह का लुक पा सकते हैं। इतना ही नहीं अगर आप केवल पोलो टी-शर्ट और कैजुअल पैंट ही पहनेंगे तो भी परफेक्ट लुक पा सकते हैं। इसके लिए आप सुझाव के तौर पर वरुण धवन के लुक को देख सकते हैं।

जैकेट और टीज

हर बार कोट-ब्लेजर पहनना जरूरी नहीं है। सूट पहने किसी शख्स की तरह आकर्षक दिखने के लिए इस तरह की ड्रेस पहनें। सिंपल टीज, जैकेट और स्नीकर्स पहन सकते हैं। इसमें आप परफेक्ट दिखेंगे।

ब्लैक ड्रेस

ब्लैक कोट, टीज और पैंट के साथ आपको इम्प्रेसिव लुक मिल सकता है। यकीन कीजिए ये लुक शायद आपको पूरी तरह टाई-कोट पहनने के बाद भी न मिले। इसके साथ एक व्हाइट कलर का स्नीकर, कितना दमदार है न। हां, हमेशा सफेद जूतों को चमकाकर रखें।

हमेशा इम्प्रेसिव लुक के लिए कोट-ब्लेजर या जैकेट पहनने की आवश्यकता नहीं है। आप चाहें तो केवल बेहतरीन फिटिंग वाली शर्ट, जींस और ऑक्सफोर्ड स्टाइल के शूज भी कैरी कर सकते हैं।